संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 351-मंगलवार 28- अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश के 12 राज्यों में होगा विशेष इंटेंसिव रिवीजन

7 फरवरी तक पूरा होगा,अगले साल चुनाव वाले बंगाल में एसआईआर,लेकिन असम में नहीं

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर 2025। देश में मतदाता सूची की पारदर्शिता और प्रामाणिकता बढ़ाने की दिशा में चुनाव आयोग ने एक बड़ा कदम उठाया है। विशेष इंटेंसिव रिवीजन का दूसरा चरण अब 12 राज्यों में लागू किया जा रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की और बताया कि आज रात से इन राज्यों में वोटर लिस्ट फ्रीज कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि एसआईआरके तहत मतदाता सूची का अपडेशन, त्रुटि सुधार और नए योग्य मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे। यह काम राज्यों के चुनाव आयोगों और जिला निर्वाचन अधिकारियों की निगरानी में किया जाएगा। ज्ञानेश कुमार ने बताया कि एसआईआरकी शुरुआत बिहार से की गई थी और वहां यह पूरी तरह सफल रही। उन्होंने कहा कि बिहार में इस प्रोसेस पर जीरो शिकायतें मिलीं। मैं छठ पर्व के अवसर पर बिहार के 7.5 करोड़ मतदाताओं को नमन करता हूँ। आयोग ने सभी 36 राज्य चुनाव आयुक्तों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ दो दौर की बैठकें कीं।

चुनाव आयोग ने बताया...असम में अभी नहीं होगा एसआईआर

चुनाव आयोग ने कहा कि असम में नागरिकता से जुड़े नियम थोड़े अलग है,इसलिए वहां एसआईआर प्रक्रिया अलग तरीके से चलेगी। असम में नागरिकता को लेकर अलग कानून हैं। वहां एनआरसी लागू है। यह भी असम में एसआईआर को फिलहाल के लिए टालने का एक कारण है।

21 साल पहले किया गया था आखिरी एसआईआर

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि देश में 21 साल पहले आखिरी विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया था। उन्होंने बताया कि एसआईआर में सभी योग्य मतदाताओं को जोड़ा जाएगा और अयोग्य मतदाताओं को वोटर लिस्ट से बाहर किया जाएगा। सीईसी ने आगे कहा कि चुनावों से पहले एसआईआर किया जाना सबसे ज्यादा जरूरी है।

12 राज्यों में एसआईआर

अंडमान निकोबार,छत्तीसगढ़,गोवा,गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी,राजस्थान, तमिलनाडु,उत्तर प्रदेश,पश्चिम बंगाल

एसआईआर वाले राज्यों में विधानसभा चुनाव

- 2026 : पश्चिम बंगाल,केरल, तमिलनाडु,पुडुचेरी
- 2027 : गोवा, गुजरात, उत्तर प्रदेश
- 2028 : छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान। अंडमान निकोबार, लक्षद्वीप में विधानसभा नहीं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा... बिहार में एसआईआर कामयाब रहा

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि नतीजा सबके सामने है। बिहार में एसआईआर कामयाब रहा। दूसरे फेज में 12 राज्यों और यूटी की वोटर लिस्ट अपडेट करेंगे।

छत्तीसगढ़ में बिहार की तरह होगा एसआईआर सर्वे

प्रदेश में 2.80 करोड़ वोटर्स, 28 अक्टूबर से शुरू होगा सर्वे

रायपुर 27 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ समेत 12 राज्यों में अब बिहार की तर्ज पर विशेष इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) सर्वे होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि आज रात से ही वोटर लिस्ट फ्रीज हो जाएगी। एसआईआर आज से शुरू हो जाएगा। इस प्रोसेस में वोटर लिस्ट का अपडेशन होगा। नए वोटरों के नाम जोड़े जाएंगे और वोटर लिस्ट में सामने आने वाली गलतियों को सुधारा जाएगा। बीएलओ हर घर में तीन बार जाएंगे। जरूरत पड़ने पर दस्तावेज मांगे जाएंगे, फिर मिलान किया जाएगा। एसआईआर सर्वे के तहत राज्य निर्वाचन आयुक्त के निर्देश पर प्रदेश के कलेक्टर्स ने टॉप-टेबल एक्सरसाइज (पुरानी और वर्तमान लिस्ट का मिलान) प्रक्रिया पहले कराई है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त के निर्देश मिलने के बाद राज्य निर्वाचन आयुक्त आगे की प्रक्रिया करेगा। छत्तीसगढ़ में 2 करोड़ 80 लाख वोटर्स हैं।

1 जनवरी 2025 के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 2.11 करोड़ वोटर्स : छत्तीसगढ़ पंचायत चुनाव में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने 1 जनवरी 2025 की तिथि में प्रदेश में मतदाताओं की कुल संख्या 2 करोड़ 11 लाख 5 हजार 391 बताई थी। इनमें 1 करोड़ 4 लाख 27 हजार 842 पुरुष मतदाता, एक करोड़ 6 लाख 76 हजार 821 महिला मतदाता और 728 तृतीय जेंडर मतदाता शामिल हैं। राज्य में निर्वाचकों का लिंगानुपात 1024 है।

टेबल टॉप एक्सरसाइज हो चुकी छत्तीसगढ़ में : राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि, एसआईआर को लेकर छत्तीसगढ़ में टेबल टॉप एक्सरसाइज (पुरानी और वर्तमान लिस्ट का मिलान) हो चुकी है। निर्वाचन आयोग से आदेश आते ही इसे राज्य के सभी जिलों में एक साथ लागू किया जाएगा। राज्य के अधिकारियों ने सर्वे को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि देश में 21 साल पहले आखिरी विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया था। उन्होंने बताया कि एसआईआर में सभी योग्य मतदाताओं को जोड़ा जाएगा और अयोग्य मतदाताओं को वोटर लिस्ट से बाहर किया जाएगा। सीईसी ने आगे कहा कि चुनावों से पहले एसआईआर किया जाना सबसे ज्यादा जरूरी है।

देश के 53वें चीफ जस्टिस बनेंगे जस्टिस सूर्यकांत

सीजेआई गवई ने भेजी सिफारिश

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। देश के न्यायिक इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज जस्टिस सूर्यकांत भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश बनने जा रहे हैं। मौजूदा सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के बाद पदभार संभालने वाले सीजेआई बीआर गवई ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस सूर्यकांत के नाम की आधिकारिक सिफारिश कर दी है। हरियाणा के एक छोटे से गांव से निकलकर देश की सर्वोच्च न्यायपालिका तक पहुंचे जस्टिस सूर्यकांत की यह नियुक्ति न्याय व्यवस्था में उनकी दीर्घकालिक सेवा और श्रेष्ठ विधिक दृष्टि का प्रतीक है। वह अगले महीने सीजेआई गवई के रिटायर होने के बाद भारत के 53 वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। जस्टिस सूर्यकांत का कार्यकाल 24 नवंबर 2025 से शुरू होगा और वे अपनी निर्धारित फरवरी 2027 की सेवानिवृत्ति तक इस जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। न्यायपालिका में पारदर्शिता, सुगमता और आमजन की न्याय तक पहुंच को मजबूत करने के लिए वह लंबे समय से प्रयासरत रहे हैं। कानून के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के कारण वह कई महत्वपूर्ण फैसलों, न्याय सुधारों और जनहित से जुड़े मामलों में अपनी न्यायपूर्ण और संवेदनशील दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं। उनकी नियुक्ति से न्याय व्यवस्था में नए सुधार और तकनीकी उन्नयन को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली का खौफनाक हत्याकांड, 'फॉरेंसिक किलर' छात्रा ने बॉयफ्रेंड को जिंदा जलाया,एक्स-बॉयफ्रेंड भी शामिल

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर 2025। दिल्ली के गांधी विहार में कुछ हफ्ते पहले लगी एक आग के पीछे की कहानी ने पुलिस को भी चौंका दिया। जो घटना पहले गैस लीक हादसा मानी जा रही थी, वह असल में एक सुनियोजित हत्या निकली। इस हत्याकांड की साजिश रचने वाली कोई पेशेवर अपराधी नहीं, बल्कि 21 वर्षीय फॉरेंसिक साइंस की छात्रा अमृता चौहान थी वही लड़की जो अपराधों को वैज्ञानिक नजरिए से समझने का दावा करती थी।

'परफेक्ट मर्डर' का प्लान बना क्राइम वेब सीरीज़ देखकर

पुलिस जांच में सामने आया कि अमृता ने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड सुमित कश्यप (27, एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर) और दोस्त संदीप कुमार (29, स्स्ट अभ्यर्थी) के साथ मिलकर अपने प्रेमी रामकेश मीना (32, पीएससी अभ्यर्थी) की हत्या की साजिश रची थी। रामकेश गांधी विहार में किराये के कमरे में रहता था। 5-6 अक्टूबर की रात तीनों ने पहले उसका गला दबाकर और डंडे से पीटकर मार डाला, फिर शव पर घी, तेल और वाइन डालकर आग लगा दी ताकि हादसे जैसा लगे। सुमित ने एलपीजी सिलेंडर का नॉब खोलकर गैस फैलायी और आग लगाई। फॉरेंसिक की जानकारी रखने वाली अमृता ने सबूत मिटाने के लिए दरवाजे की जाली हटाकर अंदर से लॉक लगा दिया। कुछ देर बाद जोरदार धमाके के साथ आग भड़क उठी और सबको यह गैस ब्लास्ट लगा। 6 अक्टूबर की सुबह दमकल कर्मियों को चौथी मंजिल पर झुलसा हुआ शव मिला। शुरू में यह हादसा समझा गया, लेकिन कमरे में बिखरी चीज़ें और जलने का पैटर्न देखकर पुलिस को शक हुआ।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया में डिप्टी डायरेक्टर जनरल बने मयंक श्रीवास्तव

राज्य शासन ने आईपीएस मयंक श्रीवास्तव को एसएआई प्रतिनियुक्ति के लिए दी मंजूरी

- राजस्थान में 24 नवम्बर से शुरू होंगे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में भी मयंक श्रीवास्तव की अहम भूमिका रहेगी
- बीच वॉलीबॉल,कैनोइंग-कयाकिंग और साइक्लिंग पहली बार शामिल,खो-खो होगा डेमोंस्ट्रेशन इवेंट
- युवा और मानसिक स्वास्थ्य पर बोले आईपीएस मयंक श्रीवास्तव,कहा...फिटनेस और जागरूकता ही युवा भारत की असली ताकत
- स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के डिप्टी डायरेक्टर जनरल ने इंडिया हेल्थ समिट एंड अवार्ड्स 2025 में दिया विशेष संबोधन

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। राज्य सरकार ने आईपीएस अधिकारी मयंक श्रीवास्तव को जनसंपर्क आयुक्त पद से मुक्त किया गया था अब उन्हें केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया में डिप्टी डायरेक्टर जनरल के पद पर नियुक्त किया गया है। सूत्रों के अनुसार,भारत सरकार ने इस संबंध में राज्य सरकार को पत्र भेजते हुए प्रतिनियुक्ति के लिए अनापत्ति मांगी है। राज्य सरकार द्वारा औपचारिक अनुमति दिए जाने के बाद श्रीवास्तव नई जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि उपलब्ध स्रोतों में प्रत्यक्ष रूप से यह विवरण नहीं मिलता कि मयंक श्रीवास्तव का इस आयोजन में कौन-सी विशिष्ट भूमिका है, लेकिन निम्न बातें ध्यान देने योग्य हैं:सूत्रों की मामने तो उन्हें केन्द्रीय स्तर पर खेल-प्रबंधन से जुड़ी जिम्मेदारी (डिप्टी डायरेक्टर जनरल,Sports Authority of India) भी मिली हुई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि वे खेल-वित्त, आयोजन, समन्वय या नीति-निर्माण में भूमिका निभा सकते हैं। छत्तीसगढ़ कैडर में उनकी प्रमुख प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ उन्हें आयोजन-सम्बंधित लॉजिस्टिक्स, राज्य-स्तरीय समर्थन या खेलप्रशासनिक समन्वय में रख सकती हैं। इसलिए यह कहना उचित होगा कि मयंक श्रीवास्तव का खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में समन्वय, नीति-निर्माण या आयोजन व्यवस्थापन में योगदान हो सकता है, विशेषकर खेल मंत्रालय या खेल प्राधिकरण की ओर से।

राजस्थान में 24 नवम्बर से शुरू होंगे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 क्या है- आईपीएस अधिकारी मयंक श्रीवास्तव ने बताय की राजस्थान इस साल के अंत में देश के सबसे बड़े विश्वविद्यालय स्तरीय खेल आयोजन की मेज़बानी करेगा। पाँचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG 2025) का आयोजन 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक राज्य के सात प्रमुख शहरों जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुरमें किया जाएगा। इस बार प्रतियोगिताओं में 23 मेडल स्पोर्ट्स और एक डेमोंस्ट्रेशन स्पोर्ट (खो-खो) शामिल होंगे। आयोजन में देशभर के 5,000 से अधिक विश्वविद्यालय खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। इन खेलों का आयोजन भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से किया जाएगा।

नई खेल विधाओं की एंट्री : श्री श्रीवास्तव ने कहा की इस बार पहली बार बीच वॉलीबॉल,कैनोइंग और कयाकिंग तथा साइक्लिंग को मेडल स्पोर्ट्स में शामिल किया गया है, जबकि खो-खो एक डेमोंस्ट्रेशन इवेंट के रूप में खेला जाएगा। मेडल स्पोर्ट्स में शामिल प्रमुख खेल हैं तीरंदाजी, एथलेटिक्स,बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग,फेंसिंग,फुटबॉल,हॉकी,जूडो, कबड्डी,मल्लखंब,रग्बी,शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस,टेनिस,वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, योगासन, साइक्लिंग,बीच वॉलीबॉल,कैनोइंग और कयाकिंग। उन्होंने ये भी बताय की पूर्वोत्तर भारत में आयोजित पिछले संस्करण में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने खिताब जीता था, जबकि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

खेल प्रशासन में नई भूमिका

मयंक श्रीवास्तव का चयन खेल मंत्रालय के अधीन आने वाली स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया में डिप्टी डायरेक्टर जनरल के रूप में किया गया है। यह पद देशभर में खेल ढांचे और प्रशिक्षण संस्थानों के संचालन से जुड़ा हुआ है। माना जा रहा है कि श्रीवास्तव की नियुक्ति से खेल प्रबंधन और नीतिगत समन्वय को नया आयाम मिलेगा। वे इससे पहले जनसंपर्क आयुक्त के रूप में राज्य सरकार की जनसंपर्क नीति और मीडिया प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

राज्य शासन ने जारी किया आदेश

राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि श्री मयंक श्रीवास्तव, आईपीएस, जनसंपर्क आयुक्त, को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर प्रस्थान की अनुमति प्रदान की जाती है। जल्द ही उनके स्थान पर नए जनसंपर्क आयुक्त की नियुक्ति किए जाने की संभावना है। इंडिया हेल्थ समिट एंड अवार्ड्स 2025 के दौरान स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (स्र्ड्ढ) के डिप्टी डायरेक्टर जनरल एवं आईपीएस अधिकारी मयंक श्रीवास्तव ने युवा और मानसिक स्वास्थ्य - दबाव के युग में संतुलन एवं फिट और स्वस्थ भारत की दिशा में प्रयास विषय पर विशेष संबोधन दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज के दौर में युवाओं के सामने मानसिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के कई आयाम हैं, जिनसे निपटने के लिए लचीलापन , आत्म-जागरूकता और नियमित फिटनेस को जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है।

स्वस्थ मन और मजबूत शरीर ही सफलता की नींव

मयंक श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की युवा पीढ़ी दुनिया की सबसे बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। अगर हम इस पीढ़ी को मानसिक रूप से सशक्त और शारीरिक रूप से फिट बना पाए तो यह न केवल हमारे समाज बल्कि देश की प्रगति की असली ऊर्जा बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को अब केवल चिकित्सकीय मुद्दा नहीं बल्कि व्यक्तिगत अनुशासन और सामाजिक समर्थन का हिस्सा मानना चाहिए।

खेल और फिटनेस को शिक्षा के समान दर्जा देने की जरूरत

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया में अपनी भूमिका के संदर्भ में श्रीवास्तव ने कहा कि अब समय आ गया है जब खेल और फिटनेस को शिक्षा के समान महत्व दिया जाए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि खेलों के माध्यम से युवा न केवल शारीरिक रूप से मजबूत होते हैं बल्कि अनुशासन,टीमवर्क और मानसिक सहनशीलता जैसी अमूल्य क्षमताएँ भी विकसित करते हैं।

युवाओं को दिया संदेश

अपने भाषण के अंत में श्रीवास्तव ने युवाओं से आह्वान किया कि वे हर दिन कम से कम 30 मिनट खुद के लिए फिटनेस,ध्यान या किसी रचनात्मक गतिविधिके लिए ज़रूर निकालें। उन्होंने कहा कि आज के समय में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना कमजोरी नहीं, बल्कि जागरूकता की निशानी है।

खेलो इंडिया योजना के बारे में...

खेलो इंडिया योजना युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की प्रमुख केंद्रीय क्षेत्र योजना है,जो देशभर में खेल प्रतिभाओं की पहचान और उनके विकास का मंच प्रदान करती है।

अब तक इस योजना के तहत 20 संस्करणों का आयोजन किया जा चुका है...

- 7 खेलो इंडिया यूथ गेम्स
- 4 खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स
- 5 खेलो इंडिया विंटर गेम्स
- 2 खेलो इंडिया पैरा गेम्स
- 1 खेलो इंडिया बीच गेम्स
- 1 खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल

मुख्य जानकारी एक नज़र में

- **तारीखें:** 24 नवम्बर - 5 दिसम्बर 2025
- **स्थान:** जयपुर,अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा, भरतपुर
- **खिलाड़ी:** लगभग 5,000
- **स्पोर्ट्स:** 23 मेडल + 1 डेमोंस्ट्रेशन
- **डेमोंस्ट्रेशन इवेंट:** खो-खो
- **नई एंट्री:** साइक्लिंग, बीच वॉलीबॉल, कैनोइंग और कयाकिंग

संपादकीय

इंदौर में शर्मनाक

देश में स्वच्छता के तमाम मानक सिद्ध करने वाले इंदौर में दो आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों का पीछा किए जाने और छेड़छाड़ की घटना देश को शर्मसार करने वाली है। ऐसे वक्त में जब देश वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल और 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का दावा कर रहा है, इस तरह की घटनाएं भारत की छवि को धूमिल करने वाली हैं। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप में हिस्सा लेने आई ये खिलाड़ी गुरुवार की सुबह अपने होटल से बाहर निकलीं और एक कैफे की ओर जा रही थीं। इस बीच एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति ने उनका पीछा करना शुरू किया। उसने इन खिलाड़ियों में से एक को गलत तरीके से छुआ और फिर घटनास्थल से भाग खड़ा हुआ। विडंबना देखिए कि पुलिस को अभियुक्त को पकड़ने में डेढ़ दिन का समय लगा। बताया जाता है कि उसका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई ने इस निंदनीय कृत्य पर प्रतिक्रिया देने में समय लगाया। वहीं दूसरी ओर राज्य क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने संकेत दिया कि दोनों खिलाड़ियों ने संभवतः सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। वहीं दूसरी ओर आस्ट्रेलियाई टीम ने सिरे से इसका खंडन किया है। निस्संदेह, यह चूक और ज्यादा गंभीर है क्योंकि इंदौर को मेहमान टीमों के लिये एक सुरक्षित शहर माना जाता है। जाहिर है कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं थी। निस्संदेह,यह परेशान करने वाला मामला देश में अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के आयोजकों के लिये एक चेतावनी जरूर है।

यह भारत की छवि के लिये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में विदेशियों, खासकर पर्यटकों को यौन उत्पीड़न का आसान निशाना माना जाता है। इस साल,राजस्थान में एक फ्रांसीसी पर्यटक के साथ दुराचार हुआ, वहीं दूसरी ओर कर्नाटक में एक इस्राइली पर्यटक का यौन उत्पीड़न किया गया। विदेशी खिलाड़ियों की सीमित आवाजाही से उनके यौन अपराधों का शिकार होने की आशंका कम होनी चाहिए। लेकिन इंदौर की शर्मनाक घटना बताती है कि सुरक्षा में जरा सी चूक का फायदा अपराधी उठा सकते हैं। अगले महीने होने वाली राष्ट्रमंडल खेल महासभा, अहमदाबाद में 2030 के खेलों की मेजबानी के लिये अपनी मुहर लगाने वाली है। इतने बड़े आयोजन का सुरक्षित ढंग से निष्पादित किया जाना, कई चुनौतियों की ओर भी इशारा करता है। ऐसे में दुनिया भर से आने वाली महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निस्संदेह, इंदौर जैसी घटनाओं से भारत की वैश्विक छवि दांव पर लगती है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि वसुधैव कुटुम्बकम का उद्घोष सिर्फ नारा नहीं रहना चाहिए। हम सब को मिलकर उसे व्यवहार में लाना चाहिए और इसके मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। समाज विज्ञानियों को इस बात पर मंथन करना चाहिए कि हमारे समाज में यौन अपराधों का ग्राफ इतनी तेजी से क्यों बढ़ रहा है। समाज में नैतिक मूल्यों को सशक्त बनाने का प्रयास शिक्षा व अन्य माध्यमों से करना चाहिए। फिलहाल जो हालात हैं,वे हमारी वैश्विक छवि को धूमिल ही करते हैं।

नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिये चुनौती

ललित गर्ग

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात,कतर और अज़रबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं। भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए,बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए।

पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है,जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था,लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल,तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता,प्रशिक्षण,संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अज़रबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था। आज की दुनिया में भू-राजनीति बहुस्तरीय हो चुकी है, जहां आर्थिक संबंध, तकनीकी साझेदारी और रक्षा सहयोग एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

भारत को चाहिए कि वह अपने खाड़ी देशों से संबंधों को और सुदृढ़ करे। यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ भारत के आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से ही मजबूत हैं, पर उन्हें रक्षा सहयोग के स्तर पर भी विस्तारित करने की जरूरत है। भारत यदि इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाता है तो पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्तर पर अलग-थलग करने में मदद मिल सकती है। साथ ही भारत को यह भी समझना होगा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ताकत पर नहीं, बल्कि कूटनीतिक चालों और मीडिया नैरेटिव के माध्यम से भी अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे में भारत को न केवल रक्षा मोर्चे पर बल्कि कूटनीतिक और सूचनात्मक मोर्चे पर भी सक्रिय रहना होगा। भारत की नीति प्रतिक्रियात्मक न होकर सक्रिय, दूरगामी और अग्रदर्शी होनी चाहिए। भारत को यह दिखाना होगा कि वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक शांति का भी एक भरोसेमंद संरक्षक है। भारत ही दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम छेड़े हुए है। भारत के लिए यह भी जरूरी है कि वह अपने मित्र देशों के साथ सामूहिक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करे। जिस तरह अमेरिका और यूरोपीय संघ सामूहिक रक्षा नीति पर चलते हैं, उसी तरह भारत को भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, एसोसिएशन ऑफ साउथइस्ट ऐशियन नेशनल-देशों और मध्य पूर्व में सहयोगी नेटवर्क को सुदृढ़ करना चाहिए। यह केवल सैन्य दृष्टि से नहीं बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति को मजबूत करेगा। पाकिस्तान की नई विदेश

नीति की दिशा साफ है- वह भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है,चाहे वह चीन के साथ सीपेक परियोजना के माध्यम से हो या अब मध्य-पूर्व के देशों के साथ रक्षा सहयोग के जरिए। भारत को इस घेराबंदी को तोड़ने के लिए तीन दिशा में एक साथ काम करना होगा-अपनी रक्षा क्षमता को आधुनिक बनाना, विदेश नीति में सक्रियता लाना, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की सकारात्मक छवि को और प्रखर बनाना। यह स्थिति भारत के लिए केवल एक चुनौती नहीं बल्कि अपनी सामरिक दूरदर्शिता को सिद्ध करने का अवसर भी है। भारत यदि समय रहते अपने पड़ोस में बढ़ते इस सैन्य गठजोड़ की गंभीरता को समझ लेता है और सक्रिय कदम उठाता है, तो वह न केवल पाकिस्तान की कूटनीतिक चालों को निष्प्रभावी बना सकता है, बल्कि दक्षिण एशिया को स्थिरता और सहयोग के नए मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सकता है।

इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है।

इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।आज भारत को यह मानना होगा कि सुरक्षा अब केवल हथियारों का मामला नहीं है,यह अर्थव्यवस्था, कूटनीति, और तकनीक का समन्वित प्रश्न बन चुका है। पाकिस्तान की नई चालें एवं कुचालें हमें केवल सतर्क रहने की नहीं, बल्कि सजग, सक्रिय और रणनीतिक रूप से एक कदम आगे रहने की प्रेरणा देती हैं। भारत यदि अपनी नीति में इस नए दृष्टिकोण को शामिल करता है तो यह गठजोड़ उसके लिए खतरा नहीं बल्कि आत्मसुधार और आत्मसशक्तिकरण का अवसर साबित हो सकता है।

भगवान राम से छठ पूजा का रिश्ता है...

संजय गोस्वामी

हिंदू धर्म में छठ पूजा का विशेष महत्व है। यह व्रत हिंदू धर्म के सभी व्रतों में सबसे कठोर व्रतों में से एक माना जाता है। इस पर्व में भक्त सूर्य देव और छठी मईया की पूजा करते हैं। यह पर्व चार दिनों तक चलता है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में बड़े श्रद्धा भाव से छठ का पर्व मनाया जाता है। छठ व्रत की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें व्रती महिलाएं पूरे 36 घंटे तक निर्जला उपवास रखती हैं। वे बिना जल और अन्न ग्रहण किए सूर्य देव को दो बार अर्घ्य देती हैं। पहले डूबते सूर्य को फिर अगले दिन उगते सूर्य को। इसी के साथ यह व्रत पर्व पूर्ण होता है। इस बार छठ पर्व 25 अक्टूबर (शनिवार) से शुरू होकर 28 अक्टूबर (मंगलवार) तक चलेगा। पहला दिनः नहाय-खाय छठ पर्व की शुरुआत इसी दिन होती है। व्रती महिलाएं किसी पवित्र नदी या तालाब में स्नान करती हैं और शुद्धता के साथ व्रत की शुरुआत करती हैं। इस दिन सादा और सात्विक भोजन किया जाता है। दूसरा दिन- खरना खरना के दिन व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखती हैं। शाम को मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से खाना बनाकर पूजा होती है। गुड़ की खीर (रसिया) और घी से बनी रोटी का प्रसाद तैयार किया जाता है। सूर्य देव की आराधना के बाद यह प्रसाद पहले खुद व्रती ग्रहण करती हैं और फिर परिवार व आस-पड़ोस में बांटा जाता है। इसके बाद अगले दिन सुबह सूर्य अर्घ्य तक व्रती जल और अन्न का पूर्ण त्याग करती हैं। तीसरा दिन- यह छठ का सबसे भावनात्मक और महत्वपूर्ण दिन होता है। व्रती महिलाएं शाम को नदी या तालाब में खड़ी होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देती हैं। पूरा परिवार व्रती के साथ घाट पर उपस्थित रहता है और सामूहिक रूप से सूर्यदेव की आराधना : करता है। 27 अक्टूबर मंगल का वृश्चिक राशि में गोचर, इन राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम इस दिन सूर्यास्त शाम 5:40 बजे होता है । चौथा दिन-ऊषा अर्घ्य और पारण अंतिम दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसी के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास पूरा होता है। व्रती महिलाएं सूर्योदय के समय (सुबह 6:30 बजे) जल में डूबकी लगाकर सूर्य को अर्घ्य देती हैं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और जीवन में ऊर्जा की कामना करती हैं। इसके बाद प्रसाद और जल ग्रहण कर व्रत का पारण किया जाता है।, भगवान राम और माता सीता का छठ पूजा से गहरा संबंध है। रावण का वध करने के बाद जब वे अयोध्या लौटे, तो उन्होंने अपने कुल देवता सूर्य देव का आभार व्यक्त करने के लिए कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को छठ का व्रत और पूजा की थी। परंपरा की शुरुआतः मान्यता के अनुसार,राम और सीता ने ऋषि मुग्दल के आश्रम में रहकर यह पूजा की थी और तभी से यह परंपरा छठ पर्व के रूप में मनाई जाने लगी। ब्रह्महत्या से मुक्तिः एक अन्य कथा के अनुसार, रावण जैसे ब्राह्मण को मारने के कारण भगवान राम पर ब्रह्महत्या का पाप लगा था, जिससे मुक्ति पाने के लिए उन्होंने सूर्य देव की आराधना की और माता सीता ने छठ व्रत किया। सूर्यवंशीः भगवान राम सूर्यवंशी थे और उन्होंने अपने कुल देवता सूर्य देव का सम्मान व्यक्त करने के लिए यह पूजा की थी। महाभारत काल से संबंधः छठ पूजा का उल्लेख महाभारत काल में भी मिलता है, जहाँ द्रौपदी ने पांडवों की विजय और उनके राज्य को वापस पाने के लिए छठ का व्रत किया था।

सूर्य उपासना का पर्व है छठ पूजा

रमेश सर्राफ धमोरा

दिवाली के बाद छठ पूजा का त्योहार बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस पर्व के दौरान घर से लेकर घाटों तक बेहद खास रौनक देखने को मिलती है। छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है और समापन सप्तमी तिथि पर होता है। इस दौरान छठी मैया की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। इस व्रत को निर्जला किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसर छठी मैया की उपासना और व्रत करने से संतान को दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। छठ पूजा भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है। भारत में सूर्य पूजा की परम्परा वैदिक काल से ही रही है।उत्तर प्रदेश और बिहार में मनाया जाने वाला यह बेहद अहम पर्व है जो पूरे देश में धूम-धाम से मनाया जाता है। छठ पूजा केवल एक पर्व नहीं है बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिन तक चलता है। नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान सूर्य को अर्ध्य देने तक चलने वाले इस पर्व का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है। हमारे देश में सूर्य उपासना के कई प्रसिद्ध लोकपर्व हैं जो अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग रीति-रिवाजों के साथ मनाए जाते हैं। सूर्य षष्ठी के महत्व को देखते हुए इस पर्व को सूर्य छठ या डाला छठ के नाम से संबोधित किया जाता है। इस पर्व को बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और नेपाल की तराई समेत देश के उन तमाम महानगरों में मनाया जाता है। जहां-जहां इन प्रांतों के लोग निवास करते हैं। यही नहीं, मॉरिशस, त्रिनिडाड, सुमात्रा, जावा समेत विदेशों में भी भारतीय मूल के प्रवासी छठ पर्व को बड़ी आस्था और धूमधाम से मनाते हैं। डूबते सूर्य की विशेष पूजा ही छठ का पर्व है। चढ़ते सूरज को सभी प्रणाम करते हैं। छठ पर्व की सांस्कृतिक परम्परा में चार दिन का व्रत रखा जाता है। यह व्रत भैया दूज के तीसरे दिन यानि शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से आरंभ हो जाते है। व्रत के पहले दिन को नहा-खा कहते हैं। जिसका शाब्दिक अर्थ है स्नान के बाद खाना। इस दिन पवित्र नदी में श्रद्धालु स्नान करते हैं। वैसे तो यह पर्व मूल रूप से गृहिणियों द्वारा मनाया जाता है। लेकिन आजकल पुरुष भी इसमें समान रूप से सहयोग देते हैं। ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत सूर्य है। इस कारण शास्त्रों में सूर्य को भगवान मानते हैं। सूर्य के बिना कुछ दिन रहने की जरा कल्पना कीजिए। इनका जीवन के लिए इनका रोज उदित होना जरूरी है। कुछ इसी तरह की परिकल्पना के साथ पूर्वोत्तर भारत के लोग छठ महोत्सव के रूप में इनकी आराधना करते हैं। सामान्यता यह त्योहार बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर-प्रदेश में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश और बिहार में छठ पूजा को महापर्व घोषित कर सरकारी छुट्टी भी लागू कर दी गई है। छठ पूजा का व्रत सूर्य भगवान, उषा, प्रकृति, जल, वायु आदि को समर्पित है। इस व्रत को करने से निःसंतान दंपत्तियों को संतान सुख प्राप्त होता है।छठ पर्व को किसने शुरू किया इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियां प्रचलित हैं। लंका विजय के बाद रामराज्य की स्थापना के दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने उपवास किया और सूर्यदेव की आराधना की थी। सप्तमी को सूर्योदय के समय अनुष्ठान कर सूर्यदेव से आशिर्वाद प्राप्त किया था। इसी के उपलक्ष्य में छठ पूजा की जाती है। छठ का पौराणिक महत्व अनादिकाल से बना हुआ है। रामायण काल में सीता ने गंगा तट पर छठ पूजा की थी। महाभारत काल में कुंती ने भी सरस्वती नदी के तट पर सूर्य पूजा की थी। इसके परिणाम स्वरूप उन्हें पांडवों जैसे पुत्रों का सुख मिला था। द्रौपदी ने भी हस्तिनापुर से निकलकर गढ़ गंगा में छठ पूजा की थी। छठ पूजा का सम्बंध हठयोग से भी है। जिसमें बिना भोजन ग्रहण किए हुए लगातार पानी में खड़ा रहना पड़ता है। जिससे शरीर के अशुद्ध जीवाणु परास्त हो जाते हैं। छठ पर्व की परम्परा में वैज्ञानिक और ज्योतिषीय महत्व भी छिपा हुआ है। षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर है। जिस समय धरती के दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य रहता है और दक्षिणायन के सूर्य की अल्ट्रावॉइलट किरणें धरती पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। इन दूषित किरणों का सीधा प्रभाव जनसाधारण की आंखों, पेट, त्वचा आदि पर पड़ता है। इस पर्व के पालन से सूर्य प्रकाश की इन पराबैंगनी किरणों से जनसाधारण को हानि न पहुंचे। इस अभिप्राय से सूर्य पूजा का गूढ़ रहस्य छिपा हुआ है। इसके साथ ही घर-परिवार की सुख-समृद्धि और आरोग्यता से भी छठ पूजा का व्रत जुड़ा हुआ है। इस व्रत का मुख्य उद्देश्य पति, पत्नी, पुत्र, पौत्र सहित सभी परिजनों के लिए मंगल कामना से भी जुड़ा हुआ है। लोक परम्परा के मुताबिक सूर्य देव और छठी मईया का संबंध भाई-बहन का है। इसलिए छठ के मौके पर सूर्य की आराधना फलदायी मानी गई। छठ पूजा अथवा छठ पर्व कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है। छठ से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं और लोक गाथाओं पर गौर करें तो पता चलता है कि भारत के आदिकालीन सूर्यवंशी राजाओं का यह मुख्य पर्व था। छठ के साथ स्कंद पूजा की भी परम्परा जुड़ी है। भगवान शिव के तेज से उत्पन्न बालक स्कंद की छह कृतिकाओं ने स्तनपान करा रक्षा की थी। इसी कारण स्कंद के छह मुख हैं और उन्हें कार्तिकेय नाम से पुकारा जाने लगा। कार्तिक से संबंध होने के कारण षष्ठी देवी को स्कंद की पत्नी देवसेना नाम से भी पूजा जाने लगा। एक मान्यता के अनुसार छठ पर्व की शुरुआत महाभारत काल में सबसे पहले सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य की पूजा करके की थी।

कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे और वो रोज घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बने। आज भी छठ में अर्घ्य दान की यही परंपरा प्रचलित है। छठ पर्व के बारे मे एक कथा और भी है। इस कथा के मुताबिक जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब दौपदी ने छठ व्रत रखा था। इस व्रत से उनकी मनोकामना पूरी हुई थी और पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया था। महापर्व छठ हिंदू धर्म में एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें ना केवल उदयाचल सूर्य की पूजा की जाती है बल्कि अस्ताचलगामी सूर्य को भी पूजा जाता है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है। पर्व का प्रारंभ नहाय-खाय से होता है, जिस दिन व्रती स्नान कर अरवा चावल, चना दाल और कद्दू की सब्जी का भोजन करते हैं। नहाय-खाय के दूसरे दिन यानी कार्तिक शुक्ल पक्ष पंचमी के दिनभर व्रती उपवास कर शाम में रोटी और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस पूजा को खरना कहा जाता है। इसके अगले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को उपवास रखकर शाम को अस्ताचल गामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

कविता

प्रोफेसर श्याम लाल कौशल

मैं क्या हूं...

मैं एक आम का पेड़ हूं जिसे लोग
पत्थर मारकर आम तोड़ते रहे
और आखिरी मिठास की बूंद चूसते रहे।
मैं एक ऐसा डस्टबिन हूं दोस्तों
जिसमें मेरे अपने मुझ से लाभ उठाकर
मेरी बुराइयों का कूड़ा डालते रहे।
मैं एक ऐसी वीरान हवेली हूं दोस्तों
जिसमें कभी बहुत चहल-पहल होती थी
लेकिन अब इसे भूतिया खंडहर कहते हैं।
मैं एक बहुमूल्य वाला पुराना नोट हूं दोस्तों
जिसका कभी बाजार मूल्य बहुत होता था
जो हालात की नोटबंदी से जो बेकार हो गया।
मैं चौराहे पर लगी हुई एक ऐसी ट्यूब लाइट हूं
जिसने रात के अंधेरे में सबको रोशनी दिखाई
लेकिन सुबह होते ही जिसे लोगों ने बुझा दिया।
मैं इधर-उधर घूमती हुई एक ऐसी गाय हूं दोस्तों
जिसे लोगों ने दया करके रोटी और घास खिलाई
उसका दूध निकाल कर डंडा मार भगा दिया।
मैं कल का पुराना बहुत दिलचस्प अखबार हूं
जिसे सब ने अपनी दिलचस्पी के साथ पढ़ा
और पढ़ने के बाद रद्दी के ढेर में फेंक दिया।
मैं कल का बीता हुआ वह हसीन पल हूं दोस्तों
जिसके आज ना रहने के कारण लोगों को
दुःख,हैरानी और बहुत पश्चाताप होता है!
मैं बीते हुए वर्षों की एक ऐसी लंबी यात्रा हूं
जिसके मार्ग में कभी सड़क खड्डों से भरी थी
और जिंदगी की सड़क में कहीं गुलाब थे।

सुविचार

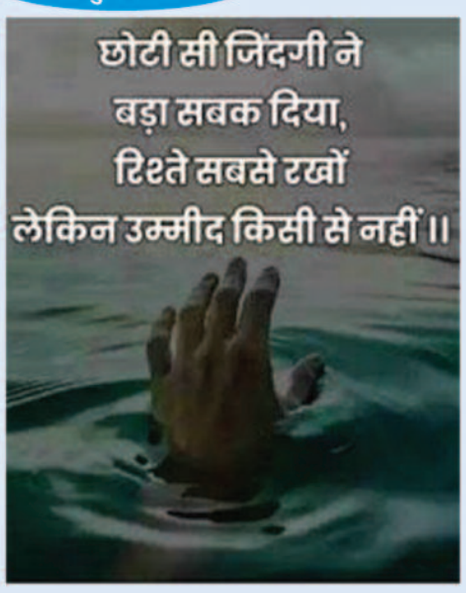

चिकित्सा पद्धतियों में सामंजस्य बैठाने की आवश्यकता

सत्य शील अग्रवाल

जब कोई व्यक्ति रोग ग्रस्त होता है तो उसके पास मुख्यतः तीन विकल्प रहते है, कि उसे किस पद्धति से अपना इलाज कराना है। अर्थात एलोपैथिक, आयुर्वेदिक,और होम्योपैथिक। सब की अपनी पसंद रहती है। सबका एक विश्वास होता है। जिस पद्धति से उसे इलाज करवाना होता है। जहाँ उसे सर्वाधिक संतुष्टि मिलती है,वह पूर्ण रूप से स्वतन्त्र है उसे कौन सी पद्धति अपनानी है। पद्धति की अपनी सीमायें हैं तो प्रत्येक पद्धति की अपनी कुछ विशेषताएं भी होती हैं। हम यह नहीं भूल सकते कि सभी पद्धतियाँ मानव मात्र की सेवा में संलग्न हैं। अतः किसी भी पद्धति को उपेक्षित करना मानवता का अपमान है। अक्सर सुना जाता है कि एलोपैथिक डॉक्टर अन्य पद्धतियों को हीन भाव से देखते हैं। उनके लिए आयुर्वेदिक अथवा होम्योपैथिक पद्धति कोई चिकित्सा पद्धति है ही नहीं,अतः उनसे इलाज कराना मरीज के जीवन से खिलवाड़ करना है। उनकी यह सोच ही मरीज को भ्रमित करती है,विचलित करती है। जिसे कदापि उचित नहीं ठहराया जा सकता।

माना वर्तमान समय में एलोपैथी में बहुत तेजी से मरीज ठीक हो जाता है और शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में एलोपैथी सर्वाधिक उन्नत श्रेणी में है। परन्तु अनेक रोगों का इस पद्धति द्वारा पूर्णतया निवारण संभव नहीं होता। जबकि अन्य पद्धतियों अर्थात आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक में उनके परिणाम बहुत अच्छे आते हैं और रोग को जड़ से खत्म करने का दम खम रखते हैं।

अतः क्यों न प्रत्येक पद्धति के गुणों के अनुसार मरीज का इलाज किया जाय। जिस पद्धति से रोगी अधिक शीघ्र और दीर्घ समय के लिए ठीक हो सकता है उसे उसी पद्धति से ट्रीट किया जाय। सभी पद्धतियों में एक सामंजस्य बनाया जाय जो मानव हित में होगा। मेडिकल की कोई भी डिग्री देते समय विद्यार्थी को सभी पद्धतियों का ज्ञान कराया जाय ताकि मरीज के हित में उसके रोग की आवश्यकता के अनुसार पद्धति उपलब्ध करायी जा सके। यदि वह चिकित्सक उस पद्धति का विशेषज्ञ नहीं है तो मरीज को उचित सलाह दे सके और उस पद्धति के विशेषज्ञ को रेफर कर सके।

किसी चिकित्सक द्वारा अपने विशेष ज्ञान के अतिरिक्त किसी अन्य पद्धति को नकारना चिकित्सा विज्ञान का अपमान है। सभी पद्धतियां मानव हित में बनायीं गयी हैं। और प्रत्येक पद्धति की अपनी सीमायें भी होती है।

उन सीमाओं को समझना भी आवश्यक है। यदि किसी विशेष पद्धति द्वारा किसी विशेष रोग का अधिक प्रभावी उपचार संभव है तो उसे स्वीकार करना चाहिए और अपने स्वार्थ से हटकर रोगी के हित में उसे दिशा निर्देश देने चाहिए।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

लोक आस्था का महापर्व छठ हर्षोल्लास के साथ सोमवार को मनाया गया। व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। कई श्रद्धालु अपने घर से दंडवत देते हुए छठ घाटों तक पहुंचे। इस दौरान परिवार के लोग भी उपस्थित थे। छठ घाट पर पहुंचने के बाद व्रतियों ने नदी तालाबों और जलाशयों में उतर कर स्नान किया। इसके बाद पानी में ही खड़े होकर श्रद्धालुओं ने दोनों हाथ से प्रसाद से भरे सूप से अस्ताचलगामी को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान परिवार के लोगों ने लोटा में पानी और दूध से व्रतियों को अर्घ्य दिलाया। अर्घ्य अर्पित करने का सिलसिला सूर्यास्त होते तक चलता रहा। अंबिकापुर में भी छठ करने वालों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। छठ व्रतियों की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए लगभग हर मोहल्लों में छठ घाट बनाए गए हैं। शहर के प्रमुख शंकर घाट,घुनघुट्ठा,शिवसागर तालाब स्थित छठ घाट में प्रतिवर्ष काफी संख्या में श्रद्धालु छठ करने पहुंचते हैं। शंकर घाट पर महामाया छठ पूजा सेवा समिति द्वारा पूरी तैयारी की गई थी। समिति द्वारा व्रतियों की सुविधा को देखते हुए टेंट पंडाल सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की गई थीं। इसी तरह शहर से लगे घुनघुट्ठा नदी तट पर श्याम घुनघुट्ठा छठ सेवा समिति द्वारा व्यापक तैयारी की गई थी। यहां छठ व्रतियों के लिए समिति द्वारा टोकन की व्यवस्था की गई थी। टोकन के माध्यम से व्रतियों ने अपने-अपने स्थान पर पूजा की। यहां शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। व्रतियों को यहां स्नान करने के लिए शुद्ध जल व पर्याप्त जगह काफी पसंद आई। वहीं यहां गंगा आरती का भी आयोजन किया गया था। जो आकर्षण का केन्द्र रही। इसी तरह शहर के शंकर घाट के अलावा मौलवी बांध, मैरीन ड्राइव तालाब,सतीपारा तालाब,जेल तालाब, खैरबार नहरपारा,गोधनपुर तालाब,खर्रा स्थित घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। अर्घ्य के लिए दोपहर करीब तीन बजे से ही सडक़ों एवं गलियों में व्रतियों की भीड़ दिखने लगी। महिलाएं छठी मइया का गीत गाते व पुरुष सिर में सूपा व दउरा रख नंगे पैर घाट की ओर रवाना हुए। जैसे-जैसे शाम होती गई, व्रतियों की भीड़ बढ़ती गई। व्रतियों की सुविधा के लिए सडक़ों से लेकर घाटों तक विशेष व्यवस्था की गई थी। व्रतियों को परेशानियों से बचाने के लिए सडक़ों की साफ-सफाई हुई थी। छठ घाटों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने डूबते भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया।

आज सुबह उगते सूर्य को देंगे अर्घ्य

सोमवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व 36 घंटे के कठिन उपवास का भी समापन होगा। शाम को अर्घ्य देने के बाद कई छठ व्रती पूरी रात घाट पर ही रुके, जबकि और लोग अपने-अपने घर वापस चले गए थे।

दंडवत देते हुए पहुंचे छठ घाट

छठ व्रत अटूट आस्था का पर्व है। मान्यता है कि छठ व्रत करने पर लोगों की सारी मन्नतें पूर्ण होतीं हैं। ऐसे में श्रद्धाल अपने घर से ही दंडवत देते हुए छठ घाटों तक पहुंचे।

सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था

छठ घाटों पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस मुस्तैद रही। सबसे ज्यादा भीड़ शंकरघाट में देखने को मिली। यहां पुलिस द्वारा काली मंदिर के पास मोटरसाइकिल की पार्किंग एवं संजय पार्क बैरियर से तकिया मोड़ तक चार पहिया वाहनों को रोक दिया गया था।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार...

थाना लुन्ड्रा पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई कार्यवाही
आरोपी द्वारा पीड़िता कों शादी का झांसा देकर कारित की गई थीं घटना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मामले में बताया गया कि प्रार्थिया द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया है कि ग्राम नागम पसेना रिरी थाना लुण्ड्रा लीलाधर यादव द्वारा प्रार्थिया को शादी करने का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया है और अब शादी करने से इंकार कर रहा है,मामले मे प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना पत्थलगांव मे मामले मे बिना नंबरी अपराध क्रमांक 0/25 धारा 64(2)(एम) बी.एन.एस. का कायम कर घटना थाना क्षेत्र थाना लुण्ड्रा का होने से नंबरी हेतु बिना नंबरी अपराध नालसी प्राप्त होने पर थाना लुन्ड्रा मे नंबरी अपराध 202/25 कायम कर जांच विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी का पता तलाश किया जा रहा था,आरोपी घटना दिनांक पश्चात लगातार फरार चल रहा था,पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले के आरोपी लीलाधर यादव को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना नाम लीलाधर यादव आत्मज तेजू राम यादव उम्र 57 वर्ष साकिन रीरी थाना लुन्ड्रा का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी

के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी लुन्ड्रा उप निरीक्षक आर. एन. पटेल, सहायक उप निरीक्षक शिवचरण साहू, सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र सिंह, आरक्षक इबनुल खान, संजय, बीरेंद्र सक्रिय रहे।

'मोन्था' तूफान से उत्तरी हिस्सों में भी तेज हवाओं और बारिश की संभावना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

बंगाल की खाड़ी में उठे 'मोन्था' चक्रवाती तूफान ने अब गंभीर रूप ले लिया है। मौसम विभाग के अनुसार, यह तूफान दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में सक्रिय है और 15 से 16 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर दिशा की ओर बढ़ रहा है। अगले 24 घंटों में इसके भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना जताई गई है। 28 अक्टूबर की शाम तक यह आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम और कलिंगपट्टनम के बीच स्थित काकीनाडा तट से टकरा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि तट से टकराने के समय मोन्था तूफान की गति 100 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है,जबकि इसके घूर्णन की गति लगभग 110 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। इस दौरान

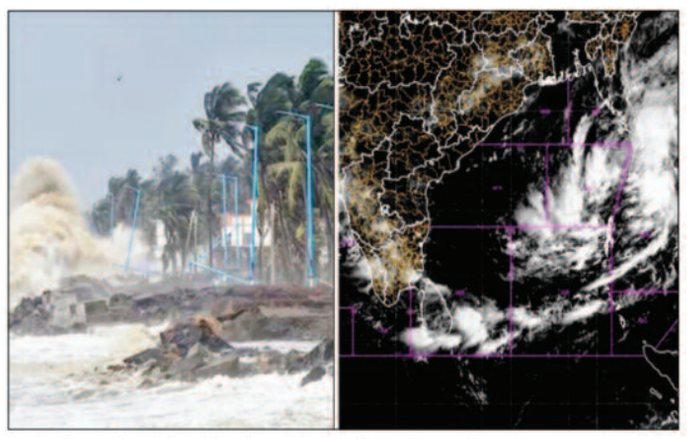

समुद्र में ऊंची लहरें उठने और तटीय इलाकों में भारी बारिश व तेज हवाएं चलने की संभावना है। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और उत्तरी तटीय क्षेत्रों में प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। छत्तीसगढ़ में इस तूफान का अप्रत्यक्ष प्रभाव दिखाई देगा। दक्षिणी छत्तीसगढ़ के जिलों–बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बस्तर और कांकेर में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। वहीं, उत्तरी छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों– अंबिकापुर, कोरिया, बलरामपुर और सरगुजा में भी हल्की से मध्यम वर्षा और कुछ स्थानों पर तेज हवाओं के साथ भारी बारिश के आसार हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तूफान का नाम 'मोन्था' थाई भाषा के शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'सुगंधित फूल'। परंतु यह 'सुगंधित फूल' अब समुद्र में विकराल रूप धारण कर चुका है।

मौसम विभाग ने किसानों को सावधानी बरतने, खेतों में रखी फसलों को सुरक्षित स्थान पर रखने और खुले स्थानों पर बिजली के खंभों या पेड़ों के नीचे शरण न लेने की सलाह दी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 29 अक्टूबर तक तूफान के असर से पूरे प्रदेश में मौसम बदला रहेगा और कई स्थानों पर झमाझम बारिश के साथ तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है।

पास्को एक्ट के दो अलग-अलग मामले में दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

पहला मामला पुलिस ने नाबालिक लड़की को,धमकी देकर दूसरे जिले लेजाकर हवस का शिकार बनने आरोपी हुआ गिरफ्तार

-संवाददाता-
राजपुर,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

जानकारी के अनुसार बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के खुटनपरा निवासी आरोपी राहुल कोरवा पिता सोमा कोरवा उम्र 19 वर्ष के द्वारा नाबालिक लड़की को डरा धमका कर दूसरे जिले बैकुंठपुर कोरिया जिला लेजाकर हवस का शिकार बनाने वाले आरोपी राहुल कोरवा पिता सोमा कोरवा, 19वर्ष निवासी से खुटन पारा थाना राजपुर जिला बलरामपुर रा. गंज को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 148/2025 धारा - 137(2), 87, 65(1) भारतीय न्याय संहिता एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 4, 12 के तहत कार्यवाही कर भेजा जेल। दूसरा मामला बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ थानाक्षेत्र का ही है आरोपी देव कुमार टोप्पो पिता बीरबल टोप्पो उम्र 20वर्ष जाती उरांव निवासी हरगवां थाना शंकरगढ़ जिला बलरामपुर रा. गंज . के द्वारा दशमी क्लास में पढ़ने वाली को गिरफ्तार कर पास्को एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा जेल।

फारेस्ट टुकुडांड ने ट्रॉईब्रेकर में कपसरा को हराया,नार बुमकाल ओपन नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 का खिताब अपने नाम किया

मुख्य अतिथि विद्यासागर सिंह और विशिष्ट अतिथि नवीन जायसवाल ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह,खेल भावना को बताया जीवन का आधार

-संवाददाता-
प्रतापपुर,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम गोटगंवा में आयोजित नार बुमकाल ओपन नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 का फाइनल मुकाबला रविवार को शानदार माहौल में संपन्न हुआ। फाइनल मैच फारेस्ट टुकुडांड और कपसरा की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन निर्धारित समय तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। इसके बाद मुकाबले का फैसला ट्रॉईब्रेकर से किया गया, जिसमें फारेस्ट टुकुडांड की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए विजयी रही और ट्रॉफी अपने नाम की।

फाइनल मुकाबले के मुख्य अतिथि विद्यासागर सिंह, पूर्व अध्यक्ष माँ महामाया शक्कर कारखाना केरता रहे, वहीं विशिष्ट अतिथि पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री नवीन जायसवाल साह रहे। कार्यक्रम में एसडीओ पुलिस अनूप एक्का, त्रिभुवन सिंह टेकाम, थाना प्रभारी अमित कौशिक, छोटेलाल तिर्की, राजू सिंह आयाम, गोल्डी खान, डॉ. नारायण टेकाम, देवचंद पंडो सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। आयोजन समिति में चन्द्रिका प्रसाद आयाम,अपोलो कुजूर, मुकेश आयाम, जयप्रकाश खलखो, सुदामा पोया, रामसाय आयाम, रामबिलास मरावी, रोशन जगत, रामकिशुन पोया, देवनारायण आयाम सहित सभी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सराहनीय योगदान दिया। इस अवसर पर प्यारे लाल नागवंशी, रामबिलास,बाबूलाल पोया सहित कई जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

विद्यासागर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा : खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, यह जीवन में अनुशासन और एकता का प्रतीक है। खिलाड़ी जब मैदान में उतरता है, तो वह पूरे गांव और समाज की पहचान बन जाता है।

वहीं नवीन जायसवाल साह ने कहा : खेल भावना हमें संघर्ष और सफलता का सच्चा अर्थ सिखाती है। हार से घबराना नहीं, बल्कि हर बार बेहतर प्रदर्शन करना ही सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। ग्राम गोटगंवा में हुए इस आयोजन ने क्षेत्र में खेलों के प्रति उत्साह को नई दिशा दी है और युवाओं को प्रेरणा देने का काम किया है।

थाना मणीपुर पुलिस टीम द्वारा 04 गिरफ़्तारी वारंट किया गया तामिल

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे पुलिस टीम द्वारा की गई कार्यवाही...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

थाना चौकी प्रभारियों को थाना चौकी अंतर्गत लम्बित गिरफ़्तारी वारंट एवं स्थाई वारंट की तमिली हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा निर्देशित किया गया है, निर्देशों के परिपालन मे थाना मणीपुर पुलिस टीम द्वारा 04 गिरफ़्तारी वारंट की तमिली की गई है। माननीय न्यायालय द्वारा जारी गिरफ़्तारी वारंट के अनुसार (01) लिंगो गोडसन मरावी साकिन दर्रीपारा थाना मणीपुर (02)छोटू चौधरी साकिन नवागढ़ अंबिकापुर का दो अलग अलग प्रकरण मे जारी गिरफ़्तारी वारंट (03) अघन साय साकिन पचपेड़ी थाना मणीपुर को पकड़कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है, सरगुजा पुलिस द्वारा फरार वारंटियों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है, आगे भी यह कार्यवाही निरंतर जारी रखी जायगी।

वारंट तामिली की कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर निरीक्षक अश्वनी सिंह आरक्षक उमाशंकर साहू, राम शंकर यादव, अनिल सिंह, अरविंद सिंह सक्रिय रहे।

जेल सुरक्षा पर फिर उठे सवाल,मोबाइल वीडियो प्रकरण में दो आरक्षक सस्पेंड

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

हाल ही में वायरल हुए वीडियो के बाद अब पुलिस प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। इस वीडियो में जिलाबदर घोषित अपराधी अंश पंडित को जेल परिसर के अंदर मोबाइल फोन से आराम से बात करते हुए देखा गया था,जो कि प्रतिबंधित क्षेत्र में गंभीर सुरक्षा चूक मानी जा रही थी। मामले की जांच में पुलिस कर्मियों की लापरवाही उजागर होने पर दो आरक्षकों परवेज फिरदौसी और डॉक्टर सिंह सिदार को निलंबित कर दिया गया है। घटना को लेकर उच्च अधिकारियों ने रिपोर्ट तलब की है और जेल सुरक्षा व्यवस्था की पुनर्समीक्षा के निर्देश दिए गए हैं। यह घटना न केवल जेल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की तत्काल आवश्यकता को भी उजागर करती है।

राष्ट्रपति ट्रंप बोले...2028 में उपराष्ट्रपति नहीं बनूंगा,तीसरे कार्यकाल पर चुप्पी बरकरार

वॉशिंगटन,27 अक्टूबर 2025। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वे 2028 के चुनाव में उपराष्ट्रपति पद के लिए नहीं लड़ेंगे। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या वे तीसरे कार्यकाल के लिए कोशिश करेंगे या नहीं। इस बयान के बाद उनके कार्यकाल को बढ़ाने की संभावनाओं पर एक बार फिर से चर्चा शुरू हो गई है।

संविधान में तीसरे कार्यकाल पर रोक : अमेरिकी संविधान के 22 वें संशोधनके अनुसार, कोई भी व्यक्ति दो बार से अधिक राष्ट्रपति नहीं बन सकता। कुछ समर्थकों ने इस रोक से बचने का रास्ता सुझाया है- जैसे कि ट्रंप उपराष्ट्रपति के तौर पर चुनाव लड़ें और फिर राष्ट्रपति के इस्तीफा देने पर पद संभाल लें। लेकिन संवैधानिक विशेषज्ञों का कहना है कि यह रास्ता भी बंद है। संविधान के 12 वें संशोधन में साफ लिखा है कि जो व्यक्ति राष्ट्रपति बनने के योग्य नहीं है, वह उपराष्ट्रपति भी नहीं बन सकता।

ट्रंप बोले- बहुत चालाकी होगी, लोग पसंद नहीं करेंगे : मलयेशिया से टोक्यो जाते वक्त एयरफोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा,मुझे यह करने की अनुमति होगी,लेकिन मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह बहुत चालाकी होगी। मुझे

नहीं लगता लोग इसे पसंद करेंगे। यह सही नहीं होगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि वे इस विचार को बहुत चालाक और अनुचित मानते हैं।

तीसरे कार्यकाल की संभावना पर खुला रुख

तीसरे कार्यकाल के सवाल पर ट्रंप ने कहा,मुझे यह पसंद आएगा। मेरे आंकड़े अब तक के सबसे अच्छे हैं। वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या वे तीसरा कार्यकाल नहीं लड़ने की बात स्पष्ट रूप से कह रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, क्या मैं मना कर रहा हूं? यह आपको बताना होगा। उन्होंने अदालत में इस मुद्दे पर लड़ाई लड़ने के सवाल पर कहा कि मैंने इसके बारे में अभी सोचा नहीं है।

उम्र और जोश दोनों पर चर्चा

ट्रंप इस समय 79 वर्ष के हैं। अगर वे 2028 में चुनाव लड़ते हैं तो उनकी उम्र 82 वर्ष होगी,जिससे वे अमेरिका के इतिहास के सबसे बुजुर्ग राष्ट्रपति बन जाएंगे। फिर भी उन्होंने कहा कि वे अभी भी पूरी ऊर्जा के साथ काम कर रहे हैं और लगातार जनता व मीडिया से जुड़ते रहते हैं। बता दें कि, 2024 के चुनाव अभियान के दौरान ट्रंप ने जो बाइडन की उम्र और फुर्ती को लेकर कई बार कटाक्ष किया था। वे कहते रहे कि बाइडन अब नेतृत्व करने के लिए बहुत बूढ़े हो चुके हैं।

2028 के संभावित रिपब्लिकन नेता...वेंस और रुबियो

ट्रंप ने अपने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तारीफ करते हुए कहा,दोनों महान लोग हैं। अगर ये कभी साथ आए,तो अजेय हो जाएंगे। इस पर रुबियो मुस्कुराते हुए सिर झुकाकर प्रतिक्रिया दी।

रूस में दुनिया की पहली न्यूक्लियर पावर्ड मिसाइल का टेस्ट

अनलिमिटेड रेंज का दावा, पुतिन बोले...इसे कोई डिफेंस सिस्टम नहीं रोक सकता

मॉस्को,27 अक्टूबर 2025। रूस ने दुनिया की पहली न्यूक्लियर पावर्ड यानी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली क्रूज मिसाइल बुरेवस्तनिक-9एम739 का सफल परीक्षण किया है। दावा किया जा रहा है कि यह मिसाइल अनलिमिटेड रेंज वाली है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि इसके सभी टेस्ट पूरे हो चुके हैं। ऐसी मिसाइल दुनिया के किसी भी देश के पास नहीं है। पहले कई एक्सपर्ट यकीन नहीं करते थे कि ऐसा हथियार भी बन सकता है,लेकिन यह हकीकत बन चुका है। कोई भी डिफेंस सिस्टम इस नहीं रोक सकता।

रूसी सेना के प्रमुख वैलेरी गेरेसिमोव ने बताया कि मिसाइल का सफल टेस्ट 21 अक्टूबर को किया गया। इस टेस्ट में बुरेवस्तनिक ने करीब 15 घंटे तक उड़ान भरी। इस दौरान मिसाइल ने 14 हजार किलोमीटर की दूरी तय की। गेरेसिमोव ने यह भी बताया कि यह मिसाइल की अधिकतम रेंज नहीं है, यह इससे अधिक दूरी भी तय कर सकती है। बुरेवस्तनिक (9एम730) एक

क्रूज मिसाइल है, जो सामान्य ईंधन इंजन की बजाय न्यूक्लियर रिएक्टर से चलती है। इस वजह से यह मिसाइल लगभग अनलिमिटेड यानी असीमित दूरी तक उड़ान भर सकती है। साथ ही दुश्मन के एंटी-मिसाइल डिफेंस सिस्टम को चकमा देने में सक्षम है। अमेरिकी वायुसेना की रिपोर्ट के अनुसार मिसाइल के सर्विस में आने के बाद रूस के पास इंटरकॉन्टिनेंटल रेंज यानी 10 से 20 हजार किमी तक हमला करने की क्षमता होगी। इससे रूस किसी भी हिस्से से अमेरिका तक हमला करने में सक्षम होगा। आमतौर पर इतनी दूरी तक हमला करने के लिए बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया जाता है। यह पहली क्रूज मिसाइल है जो इतनी दूरी तक हमला करने में सक्षम है। सामान्य बैलिस्टिक मिसाइल अंतरिक्ष में तय मार्ग पर जाती है, जिन्हें ट्रैक किया जा सकता है। जबकि बुरेवस्तनिक सिर्फ 50-100 मीटर की ऊंचाई पर उड़ती है और लगातार रास्ता बदलती रहती है, जिससे इसे पकड़ना लगभग असंभव हो जाता है।

लॉन्च होने के बाद एक्टिव होता है न्यूक्लियर रिएक्टर

मिसाइल को लॉन्च करने के लिए ठोस ईंधन वाले रॉकेट बूस्टर का इस्तेमाल किया जाता है। लॉन्च होने के बाद इसका न्यूक्लियर रिएक्टर एक्टिव हो जाता है। इसके बाद यह परमाणु ऊर्जा पर चलती है। इसमें एक छोटा न्यूक्लियर रिएक्टर या न्यूक्लियर पावर यूनिट है, जो मिसाइल को अनलिमिटेड दूरी तक उड़ने में सक्षम बनाता है। इस मिसाइल को जमीन पर मौजूद लॉन्चिंग पैड का इस्तेमाल कर लॉन्च किया जाता है। रॉयटर्स की एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक रूस की राजधानी मॉस्को से उत्तर में 475 किमी दूर इसकी लॉन्च साइट हो सकती है। यहां नौ नए लॉन्च पैड बनाए जा रहे हैं।

अगले साल की शुरुआत में हो सकती है क्वाड बैठक

पीएम मोदी होंगे मेजबान,ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने जताई उम्मीद

ऑस्ट्रेलिया,27 अक्टूबर 2025। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने उम्मीद जताई है कि क्वाड देशों की अगली बैठक अगले साल की पहली तिमाही में हो सकती है। उन्होंने चार देशों- भारत, अमेरिका, जापान के साथ ऑस्ट्रेलिया के गठजोड़ वाले इस समूह को एक अहम मंच करार दिया। गौरतलब है कि भारत में इसी साल क्वाड सम्मेलन होना था। हालांकि,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये और जापान में जारी सियासी उठापटक के चलते अब इस बैठक की उम्मीद कम ही है। अल्बनीज ने रविवार आसियान सम्मेलन के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,क्वाड एक अहम फोरम है,जो ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान और भारत को जोड़ता है। मुझे उम्मीद है कि इसकी बैठक अगले साल की पहली तिमाही में होगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक की मेजबानी करेंगे। क्वाड सम्मेलन में देरी को

लेकर पर पूछे गए सवाल पर अल्बनीज ने कहा कि यह व्यस्त शिखर सम्मेलन सत्र है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप काफी व्यस्त कार्यक्रम में बंधे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों एशिया के तीन देशों के दौरे पर हैं। वे मलयेशिया में आसियान सम्मेलन में शामिल होने के बाद जापान रवाना हुए और वहां से दक्षिण कोरिया जाएंगे,जहां वे एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। इससे पहले अगस्त में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ट्रंप ने इस वर्ष भारत यात्रा की योजना रद्द कर दी है, क्योंकि उनके और प्रधानमंत्री मोदी के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते तब से तनाव में हैं जब ट्रंप प्रशासन ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक आयात शुल्क और रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत कर लगा दिया।

व्यापार समाचार

वोडाफोन-आइडिया को एजीआर विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत,सरकार को बकाया मांगों पर विचार की अनुमति

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड को बड़ी राहत मिली। शीर्ष अदालत ने कंपनी की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र को एजीआर से जुड़े मसले पर विचार करने की अनुमति दे दी। कंपनी ने दूरसंचार विभाग की 2016-17 तक की अवधि के लिए अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व (एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू या एजीआर) मांगों को रद्द करने का निर्देश देने के लिए अदालत का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह मुद्दा सरकार के नीतिगत अधिकार क्षेत्र में आता है।

सरकार की वोडाफोन-आइडिया में 49 फीसदी हिस्सेदारी : मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने वोडाफोन-आइडिया की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया। याचिका में दूरसंचार विभाग (डीओटी) की ओर एजीआर-संबंधित मांगों को चुनौती दी गई थी। कंपनी ने तर्क दिया कि ये अतिरिक्त दावे अस्थिर थे क्योंकि एजीआर बकाया पर शीर्ष अदालत के 2019 के फैसले से देनदारियां पहले ही साफ हो चुकी थीं। सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि सरकार के पास अब वोडाफोन आइडिया में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी

है और लगभग 20 करोड़ उपभोक्ता इसकी सेवाओं पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में केंद्र उपभोक्ता हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कंपनी की ओर से उठाए गए मुद्दों की जांच करने को तैयार है।

सुनवाई के दौरान कंपनी और केंद्र की ओर से क्या कहा गया : पीठ ने कहा कि याचिका 2016-17 के लिए अतिरिक्त एजीआर मांगों को रद्द करने और सभी बकाया राशि का व्यापक रूप से पुनर्मूल्यांकन करने के लिए आगे निर्देश देने की मांग के लिए दायर की गई है। पीठ ने कहा, सॉलिसिटर जनरल ने बताया है कि परिस्थितियों में आए बदलाव को ध्यान में रखते हुए, जिसमें केंद्र की ओर से 49 प्रतिशत इक्विटी हासिल करना और 20 करोड़ ग्राहकों की ओर से याचिकाकर्ता की सेवाओं का उपयोग करना शामिल है, केंद्र याचिकाकर्ता (कंपनी) द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच करने को तैयार है। सीजेआई ने आदेश में कहा, मामले की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने कंपनी में पर्याप्त इक्विटी डाली है और इसका 20 करोड़ ग्राहकों पर सीधा असर होगा। हमें केंद्र की ओर से इस मुद्दे पर पुनर्विचार करने और उचित कदम उठाने में कोई समस्या नहीं दिखती है। पीठ ने साफ किया है कि यह मुद्दा केंद्र सरकार के नीतिगत अधिकार क्षेत्र में आता है। अदालत ने कहा, ऐसा कोई कारण नहीं है कि सरकार को ऐसा करने से रोका जाए। इस नजरिए के साथ हम रिट याचिका का निपटारा करते हैं। वोडाफोन आइडिया की ओर से पेश सीनियर अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने तर्क दिया कि वित्त वर्ष 2016-17 के लिए दूरसंचार विभाग की 5,606 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग अस्थिर थी, क्योंकि बकाया राशि का निर्धारण सुप्रीम कोर्ट के 2019 के फैसले के बाद पहले ही किया जा चुका था।

शेयर बाजार : सेंसेक्स 567 अंक चढ़कर 84,779 पर बंद,निफ्टी में भी 171 अंक की बढ़त बनाई

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। घरेलू शेयर बाजार ने सोमवार को सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही जोरदार मजबूती दिखाई। सोमवार को कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में मुनाफा वसूली के चक्कर में कुछ बिकवाली भी हुई। इसके बावजूद ये दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बने रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.67 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। माना जा रहा है कि मजबूत ग्लोबल संकेतों के कारण सोमवार को घरेलू शेयर बाजार को काफी सहारा मिला। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों की शेयर बाजार में दमदार वापसी से भी मार्केट सेंटीमेंट्स में सुधार हुआ है। विदेशी निवेशकों की घरेलू बाजार में खरीदारी की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों को काफी सपोर्ट मिला है। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद के कारण भी शेयर बाजार की चाल में सोमवार को तेजी बनी रही। यूएस फेड की कल और परसों होने वाली बैठक होने वाली है। दावा किया जा रहा है कि अमेरिकी में महंगाई के आंकड़ों में आई कमी के कारण यूएस फेड ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला ले सकता है। इस उम्मीद की वजह से भी विदेशी निवेशकों ने भारत जैसे विकासशील देशों के स्टॉक मार्केट में अपना निवेश बढ़ा दिया है। सोमवार को दिन भर के

कारोबार के दौरान पीएसयू बैंक, रियल्टी और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, मेटल,आईटी,कैपिटल गुड्स,कंज्यूमर ड्यूरेबल,एफएमसीजी,पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में सोमवार को बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी सोमवार को आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत उछल कर सोमवार को कारोबार का अंत किया। सोमवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन सोमवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 471.90 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 468.92 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को सोमवार को कारोबार से करीब 2.98 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। सोमवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,502 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,178 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,113 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 211 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में सोमवार को 2,865 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,436 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,429 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 85.51 अंक की मजबूती के साथ 84,297.39 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे तक ये सूचकांक 720.20 अंक की तेजी के साथ 84,932.08 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में कुछ बिकवाली भी हुई, जिसके कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 150 अंक से अधिक फिसल कर 566.96 अंक की बढ़त के साथ 84,778.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने सोमवार को 48.05 अंक उछल कर 25,843.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ लिया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से दिन के पहले सत्र के अंत तक ये सूचकांक 210.80 अंक की छलांग लगा कर 26,005.95 अंक तक पहुंच गया। इस ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी कुछ गिरावट आई। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 170.90 अंक की मजबूती के साथ 25,966.05 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 3.44 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 2.91 प्रतिशत, भारती एयरटेल 2.50 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 2.24 प्रतिशत और एटरनल 2.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ सोमवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

अदाणी समूह दिघी पोर्ट में 42500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगा

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। अदाणी समूह ने महाराष्ट्र के तटीय कोंकण क्षेत्र में दिघी बंदरगाह परियोजना में 42,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने पर हामी भरी है। सरकारी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि समूह की प्रमुख इकाई अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) की ओर से संचालित दिघी पोर्ट्स ने बंदरगाह के विस्तार और संबंधित गतिविधियों के लिए 42,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बारे में कहा कि यह निवेश भारत समुद्री सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर सरकार की ओर से हस्ताक्षरित 56,000 करोड़ रुपये से अधिक के 15 समझौतों का हिस्सा है। अदाणी समूह की नई प्रतिबद्धता का पूरा विवरण पूरा जारी नहीं किया गया है। दूसरे सबसे अमीर भारतीय गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह ने 2021 में 705 करोड़ रुपये की विजयी बोली लगाकर दिवालिया घोषित हो चुकी दिघी पोर्ट परियोजना का अधिग्रहण किया था।

समूह ने इसके विस्तार के लिए 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई थी। इससे पहले भारत समुद्री सप्ताह के दौरान महाराष्ट्र में बंदरगाहों के विकास से संबंधित तीन सत्र आयोजित किए गए। इन तीन सत्रों में से एक सत्र महाराष्ट्र सरकार और विभिन्न कंपनियों के बीच 15 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर का था। ये समझौता ज्ञापन जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत, बंदरगाह अवसंरचना और जल परिवहन के विकास से संबंधित थे। सबसे बड़ा समझौता ज्ञापन अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एसईजेड) के साथ हस्ताक्षरित किया गया, जिसका मूल्य 42,500 करोड़ रुपये है, जो जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत में भागीदारी करेगा। दूसरा समझौता ज्ञापन जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ बंदरगाह अवसंरचना में सुधार और वैश्विक मानकों के अनुरूप सुधार के लिए हस्ताक्षरित किया गया। आईआईटी बॉम्बे के साथ तीन प्रमुख समझौता ज्ञापनों पर अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना के निर्माण, समुद्री क्षेत्र में कौशल विकास और जहाज निर्माण के लिए एक मंच तैयार करने हेतु हस्ताक्षर किए गए। अन्य दो समझौता ज्ञापन श्रमिक वर्ग के क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन के लिए क्लस्टर-आधारित उत्कृष्टता केंद्र बनाने पर केंद्रित थे। आईआईटी बॉम्बे एक पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करेगा। महाराष्ट्र वैश्विक आपूर्ति शृंखला में अगला बड़ा खिलाड़ी होगा :कार्यक्रम महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा,इन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना महाराष्ट्र सरकार के लिए गर्व का क्षण है,क्योंकि इससे महाराष्ट्र में 56,000 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। उन्होंने कहा कि ये समझौता ज्ञापन रणनीतिक हैं जो हमें प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने, उत्कृष्टता केंद्रों के निर्माण और तीव्र डिजिटलीकरण में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि इन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने से महाराष्ट्र को समुद्री क्षेत्र में एक महाशक्ति बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। फडणवीस ने बताया कि बंदरगाहों और उनकी सुविधाओं के विस्तार से एक औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने में मदद मिलेगी। यह बंदरगाह-आधारित विकास, विनिर्माण और नए उद्योगों के लिए एक नया आकर्षण होगा।

सेबी का बड़ा प्रस्ताव : बॉन्ड में निवेश बढ़ाने की तैयारी,निवेशकों को मिल सकता है फायदा

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। बाजार नियामक सेबी ने सुझाव दिया है कि अब बॉन्ड के पब्लिक इश्यू में निवेश करने वाले कुछ निवेशकों को खास फायदे दिए जा सकते हैं। इनमें वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और खुदरा ग्राहक निवेशक शामिल होंगे। इसका मकसद है कि ज्यादा लोग बॉन्ड में निवेश करें और बाजार में उनकी भागीदारी बढ़े।

वर्तमान के नियम क्या हैं : वर्तमान में सेबी (गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) विनियम, 2021 में बॉन्ड इश्यू करने वाली कंपनियों को निवेशकों को किसी भी तरह का लाभ या गिफ्ट देने की अनुमति नहीं है, चाहे वो पैसे में हो, सामान में या किसी सेवा के रूप में। केवल फीस और कमीशन की ही छूट है।

विनियमन में संशोधन का प्रस्ताव : सेबी ने अपने परामर्श पत्र में अब इस विनियमन में संशोधन का प्रस्ताव रखा है,ताकि जारीकर्ताओं को कुछ निवेशक श्रेणियों के लिए उच्च कूपन दर या निर्गम मूल्य पर छूट की पेशकश करने की अनुमति मिल सके। सेबी का कहना है कि कंपनियां चाहें तो ऐसे निवेशकों को ज्यादा ब्याज दर (हायर कूपन रेट) या इश्यू प्राइस पर डिस्काउंट दे सकेंगी। लेकिन यह जानकारी पहले से ही ऑफर डॉक्यूमेंट में साफ बतानी होगी। यह लाभ सिर्फ

उन लोगों को मिलेगा जो शुरुआत में ही बॉन्ड खरीदते हैं। अगर बाद में बॉन्ड बेच दिया जाता है, तो यह फायदा नए खरीदार को नहीं मिलेगा।

अन्य वित्तीय क्षेत्रों में ऐसे लाभ पहले से मौजूद : सेबी ने कहा कि अन्य वित्तीय क्षेत्रों में ऐसे लाभ पहले से मौजूद हैं जैसे बैंकों में वरिष्ठ नागरिकों को फिक्स्ड डिपॉजिट पर ज्यादा ब्याज मिलता है और कुछ एनबीएफसी महिलाओं को बेहतर दर देती हैं। शेयर बाजार में भी रिटेल निवेशकों को ओएफएस के दौरान छूट मिलती है। एयरलाइंस भी सेना को विशेष छूट प्रदान करते हैं।

सुनिह अरज छठी मईया...बढ़े कुल परिवार...

छठ महापर्व में उमड़ा आस्था का सैलाब, डूबते सूर्य को अर्पित हुआ प्रथम अर्घ्य

- जिले ढलते सूर्य देव को अर्घ्य देकर मनाया गया छठ व्रत
- नगरपालिका परिषद की शानदार व्यवस्था के साथ जोडतालब झुमका सहित सभी छठ घाटों में सम्पन्न हुआ छठ व्रत
- बैकुण्ठपुर,पटना सोनहत,चरचा खरवत कटगोड़ी में अलग अलग स्थानों पर मनाया गया पर्व
- स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल व विधायक भैयालाल भी पहुँचे छठ घाट क्षेत्र के लिए की मंगल कामनाएं

बैकुण्ठपुर/चिरमिरी/सोनहत/पटना 27 अक्टूबर 2025 (घटती घटना)। संतान के सुख-सौभाग्य,समृद्धि और सुखी जीवन की कामना के लिए किया गया छठ व्रत। सोमवार को संध्या समय में डूबते सूर्य को दिया गया अर्घ्य। छठ पर्व को लेकर क्षेत्र में दिखा भारी उत्साह,छठ गीतों से गूंज उठा पूरा क्षेत्र। छठी मैया देहलू आशीशीया,चहके अंगना दुवार...की स्वर लहरियों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में लोकगीत गाते हुए घरों से निकलीं और तालाब तक के सफर को गीतों से पवित्र बना दिया। दृश्य इतना आकर्षक था कि हर कोई भक्ति और उत्साह में डूब गया। रविवार को नहाय-खाय से आरंभ हुए चार दिवसीय छठ महापर्व का सोमवार की शाम पहला अर्घ्य समर्पण के साथ चरम पर पहुँचा। पटना के झूमर तालाब व बुढ़ा सागर तालाब,कटकोना एसईसीएल तालाब,और गोबरी जलाशय में,चिरमिरी के बड़ी बाजार,डोमनहिल,पोड़ी,बैकुंठपुर के विभिन्न तालाबों में, नदी तटों पर, चरचा के नदी घाट पर श्रद्धालुओं ने पानी में खड़े होकर सूर्य देव को कंद-मूल और फलों से अर्घ्य अर्पित किया। महिलाएं सिर पर फलों और पूजा सामग्रियों से सजी सूप लेकर पारंपरिक गीतों के साथ सूर्य उपासना में लीन दिखीं। सोनहत क्षेत्र के घाटों पर छठ व्रतियों के परिवार के सदस्य सिर पर फल और पूजन सामग्री से सजे सूप, दउरा लेकर पहुंचे, यहां सामूहिक रूप से एक साथ हजारों हाथों ने सूर्य देव को अर्घ्य देकर मंगल कामना की, मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ व्रत संपन्न होगा, गेज नदी तट पर गढ़ेलपारा में छठी मइया के भक्ति गीतों से आस्था की लहर उठने लगी, अर्घ्य से पहले गंगा आरती से आराधना की गई, पुत्र प्राप्ति, समृद्धि एवं मंगलकामना के पर्व छठ को लेकर सूर्य देव को पहला अर्घ्य दिया गया, गेज नदी तट और श्रीराम मंदिर छठ घाट और जोड़ातालाब पर छठ पूजा का विशेष माहौल रहा, अन्य तालाब और जलाशयों में भी सूर्य देव को अर्घ्य दिया गया, छठव्रतियों ने डूबते सूर्य एवं छठमाता की आराधना की, इस दौरान आतिशबाजियां और गाजे-बाजे से माहौल रंगीन रहा।

प्रकृति और आस्था का संगम

लोक आस्था के इस पर्व में सूर्यदेव की उपासना के साथ-साथ जल,वायु और मिट्टी की भी आराधना की जाती है। पहले यह पर्व बिहार,झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश तक सीमित था,लेकिन अब इसकी गूंज पूरे देश में सुनाई देती है। लोग कठिन व्रत रखकर भी हर्षोल्लास के साथ इसमें भाग ले रहे हैं। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और भोर का अर्घ्य शामिल है। 36 घंटे के निर्जला व्रत में संतान सुख और पारिवारिक समृद्धि की कामना की जाती है।

सुरक्षा और तैयारी के पुख्ता इंतजाम

छठ घाटों पर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था सख्त रखी। पंडाल,रोशनी और जल प्रबंधन की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। स्थानीय युवाओं ने भी घाटों की सफाई में सक्रिय भूमिका निभाई। शाम होते ही घाटों पर दीपों की कतारों ने मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किया।

फल और प्रसाद का महत्व

छठ महापर्व पर केले, सेब, संतरा, मुसंबी, सिंघाड़ा, अनानास, बैर, सुथनी और लालकंदा जैसे फल सूर्य देव को अर्पित किए जाते हैं। व्यापारी दो दिन पूर्व ही बाहर से फल मंगवा लेते हैं ताकि समय पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध हो सकें।

परंपरा और कथा

छठ व्रत की परंपरा प्राचीन है। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार, राजा प्रियव्रत की संतानहीनता के दुख को दूर करने के लिए देवी षष्ठी ने वरदान दिया था। तभी से यह व्रत संतान सुख और कल्याण के लिए किया जाने लगा।

छठ गीतों से गूंजा पूरा इलाका

भइल भिनूसर अइल अरघ के वक्तीया, उगा हो सुरुजमल लेके अपन रथिया महिलाओं द्वारा गाए जा रहे इन गीतों ने वातावरण को भक्ति से भर दिया। बच्चे, युवा और वृद्ध - सभी सूर्योपासना में सम्मिलित हुए।

छठ पर्व जिलेवासियों के लिए लाभकारी हो,छठी मईया सभी को आशीष प्रदान करें,योगेश शुक्ला रनई जमींदार

छठ पर्व पर रनई जमींदार योगेश शुक्ला ने भी बधाई दी है,उन्होंने जिलेवासियों को बधाई देते हुए छठी मईया से कामना की है कि वह सभी को आशीष प्रदान करें। उन्होंने इस पर्व को महान पर्व बताते हुए अपनी आस्था प्रकट की।

आस्था का महाकुंभ है छठ पूजा,गुलाब कमरों पूर्व विधायक भरतपुर सोनहत

पूर्व विधायक भरतपुर सोनहत ने छठ पर्व को लेकर सभी को बधाई दी और इसे आस्था का महाकुंभ बताया,उन्होंने कहा कि इस पर्व का विस्तार देखते ही बनता है,यह पर्व हर नदी तालाबों के घाटों पर मनाया जाता है और इस श्रद्धा से मन भक्ति में डूब जाता है।

अस्त और उदय ही जीवन है,दोनों का जीवन में अपना महत्व है,यह पर्व जीवटता का प्रतीक है : श्याम बिहारी जायसवाल स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बधाई देते हुए कहा कि,अस्त होना और उदय होना ही जीवन है,डूब चुका ही उदीयमान होगा यह छठ पर्व की नसीहत है,यह पर्व और इसका उत्साह इंसानी जीवटता को दर्शाता है,यह कठिन तपस्या का पर्व है और श्रद्धालुओं अनेकों कठिनाइयों का सामना कर इस पर्व को उत्साह के साथ मनाते हैं। जीवन में हार नहीं मानकर आगे बढ़ने की सीख देता है यह पर्व, प्रदेश के हर व्यक्ति को माता छठी सुखी प्रसन्न रखें कामना उन्होंने की।

छठ पर्व का उत्साह देखते ही बनता है, श्रद्धालुओं को बधाई,भईयालाल राजवाड़े,विधायक बैकुंठपुर

छठ पर्व पर बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े ने क्षेत्रवासियों को बधाई दी है और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि यह पर्व काफी उत्साह के साथ मनाया जाता है, उन्होंने बताया कि वह इस पर्व में सम्मिलित होकर प्रकृति पूजा का हिस्सा बनना नहीं भूलते हैं।

छठ पर्व की जिलेवासियों को बधाई,यह पर्व आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का पर्व है, मोहित राम पैकरा अध्यक्ष जिला पंचायत कोरिया

छठ पर्व की बधाई जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया मोहित पैकरा ने भी दी है,उन्होंने जिला वासियों को बधाई देते हुए इसकी महत्ता का भी वर्णन किया और बताया कि यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का पर्व है,और इसमें श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता है।

क्षेत्रवासियों को छठ पर्व की बधाई,अशोक जायसवाल,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष बैकुंठपुर

छठ पर्व की बधाई पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बैकुंठपुर अशोक जायसवाल ने भी दी है, उन्होंने क्षेत्र के लोगों के बेहतर स्वास्थ और जीवन में प्रगति की कामना छठी मईया से की है।

नगर में आस्था के साथ मनाया जाता है छठ पर्व,नगर वासियों क्षेत्र वासियों को बधाई, गायत्री सिंह अध्यक्ष नगर पंचायत पटना

नगर पंचायत पटना की प्रथम अध्यक्ष गायत्री सिंह ने सभी श्रद्धालुओं को बधाई दी है और उन्होंने बताया कि नगर में काफी पुराने समय से यह पर्व उत्साह के साथ मनाया जाता है और दीपावली के बाद से ही श्रद्धालु इस पर्व की तैयारी में जुट जाते हैं,यह हफ्ते भर तक तैयारियों के बाद मनाए जाता है और इस दौरान काफी उत्साह नजर आता है।

छठी मईया सभी को स्वस्थ और निरोगी रखें राम नरेश राय महापौर चिरमिरी

छठ पर्व की बधाई चिरमिरी नगर निगम के महापौर राम नरेश राय ने भी देते हुए छठी मईया से कामना की है कि छठी मईया सभी को स्वस्थ रखें और निरोगी रखें। छठ पर्व को लेकर उन्होंने कहा कि इस पर्व की महिमा ही तो है कि इस पर्व का विस्तार लगातार हो रहा है,आस्था के साथ लोगों का विश्वास भी इस पर्व के प्रति बढ़ रहा है,यह पर्व कठिन तपस्या का पर्व है और सभी श्रद्धालुओं को उन्होंने बधाई भी दी है।

छठ पर्व मानने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है...हिंदू आस्था के इस पर्व पर प्रकृति पूजा का महत्व ही इस पर्व की परंपरा

छठ पर्व मनाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश तक पहले मनाए जाने वाले इस पर्व को अब हर जगह मनाया जाने लगा है,इस पर्व में प्रकृति की आराधना का भाव स्पष्ट रूप से झलकता है और व्रती इस दिवस प्रकृति की ही पूजा करते हैं और यही परंपरा है,अस्ताचलगामी सूर्य देव और उदीयमान सूर्य देव को प्रकृति द्वारा उत्पन्न विभिन्न फलों फूलों से अर्घ्य देने की यह परंपरा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करने का एक प्रयास है।

छत्तीसगढ़ आइडियाथॉन-2025 का हुआ शुभारंभ,29 अक्टूबर तक कर सकेंगे आवेदन

-संवाददाता-
एमसीबी 27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। रजत जयंती वर्ष-2025 के उपलक्ष्य में उद्योग विभाग के अंतर्गत स्टार्टअप छत्तीसगढ़ द्वारा नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने हेतु छत्तीसगढ़ आइडियाथॉन-2025 स्टार्टअप पिचेस एवं अवॉर्ड्स इवेंट का शुभारंभ किया गया है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के महाविद्यालयों, आईटीआई, लाइवलीहुड कॉलेजों, संकाय सदस्यों, नवाचार क्लबों, अनुसंधान एवं विकास केन्द्रों, संस्थागत इनक्यूबेटरों तथा स्किल सेंटरों के विद्यार्थियों और नवप्रवर्तकों को एक सशक्त प्लेटफॉर्म प्रदान करना है, ताकि वे अपने अभिनव विचारों को वास्तविक स्वरूप दे सकें। राज्यव्यापी स्तर पर आयोजित होने वाले इस छत्तीसगढ़ आइडियाथॉन-2025 में कुल 10 संभावनाशील विचारों और 10 अभिनव स्टार्टअप्स का चयन किया जाएगा। चयनित प्रतिभागियों को राज्योत्सव में आयोजित डेमो डे-पिचिंग इवेंट में अपनी अंतिम प्रस्तुति देने का अवसर मिलेगा। मूल्यांकन के आधार पर शीर्ष 5 छात्र विचारों एवं शीर्ष 5 स्टार्टअप्स को सम्मानित किया जाएगा। विजेताओं को 51,000 रुपए तक का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। आगे के विकास के लिए मेन्टॉरशिप, राज्योत्सव मंच पर सम्मान और राज्योत्सव प्रदर्शनी मंडप में अपने उत्पादों/सेवाओं के प्रदर्शन का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। ऑनलाइन पंजीकरण हेतु पोर्टल पर 29 अक्टूबर 2025 तक आवेदन किया जा सकता है। स्टार्टअप छत्तीसगढ़ का यह अभिनव प्रयास राज्य के युवाओं में नवाचार, उद्यमिता और समावेशी भागीदारी को सशक्त बनाने की दिशा में एक

ऐतिहासिक पहल सिद्ध होगा, जो छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भर और नवाचारमय राज्य बनाने की ओर अग्रसर करेगा।

नगर निगम के लापरवाही से 12 वर्षीय छात्र हुआ सांड के हमले का शिकार

-संवाददाता-
कोरबा,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। कोरबा नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 अमरिया पारा में सांड के हमले से एक 12 वर्षीय छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया,जिसे प्राथमिक उपचार के लिए निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार 12 वर्षीय छात्र अक्षय कुमार श्रीवास घर से ट्यूशन जा रहा था, तब रास्ते में एक सांड ने अचानक उस पर हमला कर दिया। सांड ने उसे सींग से उठाकर विद्यालय के बैग सहित पटक दिया। अक्षय की चीख-पुकार सुनकर राहगीर मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसकी जान बचाई। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल व्याप्त है। छात्र के परिजन ने बताया कि अक्षय के पेट के निचले हिस्से में सांड के सींग से गंभीर चोट आई है, फिलहाल चिकित्सक ने उसकी हालत गंभीर बताई है और शल्य चिकित्सा करने की बात कही है। अक्षय अमरिया पारा स्थित वीनस पब्लिक स्कूल का

छात्र है। बताते चले की कोरबा में यह आवारा सांडों के हमले की कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी शहर के बाजारों और अन्य स्थानों पर मवेशियों के हमले से कई लोगों की मृत्यु तक हो चुकी है। वार्ड नंबर 14 के पूर्व पार्षद और वर्तमान पार्षद पति टीकम राठौर ने बताया कि शहर में आवारा मवेशियों का आतंक बढ़ता जा रहा है, जिस पर नगर निगम को तत्काल कार्यवाही करनी चाहिए। पहले कुछ कार्यवाही की भी गई पर अब सिर्फ खानापूर्ति किए जाने से,क्षेत्र मे आवारा मवेसियों का आतंक बढ़ता जा रहा है।

न्यायालय तहसीलदार रा.नि.म. अंबिकापुर -3 के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202510022900001

विषय:ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व सन्:-2025-26
पचपेड़ी प.ह.न. 00012 [हे.)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -हरिनाथ
अनावेदक पक्षकार- संजय

ईश्तहार

आवेदक हरिनाथ आ0 स्व0 रामा निवासी ग्राम पचपेड़ी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम पचपेड़ी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 298/3 रकबा 0.065 हे0 भूमि के राजस्व रिकार्ड में पूर्व आवेदक का नाम दर्ज था, किन्तु वर्तमान राजस्थ अभिलेखों में त्रुटिवश अनावेदक का नाम दर्ज हो जाने के कारण आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील
लकेश्वर प्रसाद
नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-3

मनेन्द्रगढ़ जिले के घाटों में सूर्य देव के अर्घ्य देकर मनाया गया छठ पर्व

छठ महापर्व की पूर्व संध्या पर छठ घाट पहुंचे पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने दी शुभकामनाएं

नगर पंचायत खोंगापानी सहित पूरे एमसीबी जिले में धूमधाम से मना

वेद बाबू तालाब,सरोवर मार्ग,जोड़ा तालाब,चैनपुर तालाब,मनी मोहल्ला और हसदेव गंगा तट पर उमड़ा जनसैलाब,मनेंद्रगढ़ में उत्तर भारतीय संस्कृति का भव्य प्रदर्शन

-राजन पाण्डेय-

मनेन्द्रगढ़,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

भक्ति,निष्ठा और पवित्रता का प्रतीक लोक आस्था का महापर्व छठ मनेंद्रगढ़ में आज हर्षोल्लास के साथ अपने चरम पर पहुँच गया। उत्तर भारतीय संस्कृति का गढ़ माने जाने वाले मनेंद्रगढ़ में सैकड़ों की संख्या में छठ व्रतियों ने विधि-विधान से तैयार सूप और दउरा लेकर शहर के सभी प्रमुख जल स्रोतों की ओर रुख किया। मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने से पहले, व्रतियों ने सोमवार की शाम अस्ताचलगामी (डूबते) सूर्य को पहला अर्घ्य दिया। इस दौरान, नदी पर स्थित वेद बाबू तालाब,सरोवर मार्ग स्थित तालाब,सब्जी मंडी तालाब, चैनपुर तालाब, हसदेव गंगा तट और मनी मोहल्ला के घाटों पर छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड भीड़ उमड़ी, जिसने मनेंद्रगढ़ को पूरी तरह से छठमय बना दिया।

घाटों पर आस्था का भव्य नज़ारा

घाटों पर गन्ने के मंडप और रंगीन रोशनी से सजे घाटों पर व्रतियों ने पानी में खड़े होकर भगवान भास्कर की आराधना की। इस दौरान,पूरा वातावरण छठ के पारंपरिक गीतों से गुंजायमान रहा, जो आस्था और भक्ति की एक अद्भुत छटा बिखेर रहा था। व्रतियों ने सूर्य देव को दूध और जल अर्पित किया, साथ ही सूप में रखे ठेकुआ, फल और अन्य पकवानों का अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने छठ पर्व की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं...

इस दौरान भरतपुर-सोनहत विधानसभा के पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत खोंगापानी और आसपास के विभिन्न छठ घाटों में पहुंचकर श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उन्हें छठ पर्व की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। पूर्व विधायक ने छठ घाटों पर की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए जनप्रतिनिधियों और स्थानीय प्रशासन को धन्यवाद दिया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए उत्कृष्ट प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने व्रतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमें संयम,स्वच्छता और आत्मबल का संदेश देता है।

छठ पर्व का सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व

छठ महापर्व सूर्य देव और छठी मैया की आराधना का पर्व है,जिसकी परंपरा वैदिक काल से चली आ रही है। यह पर्व चार दिनों तक मनाया जाता है जिसमे नहाय-खाय, खरना, सांझ का अर्घ्य (डूबते सूर्य को),और भोर का अर्घ्य (उगते सूर्य को)। व्रती महिलाएं इस दौरान कठोर नियमों और पूर्ण शुद्धता के साथ पूजा-अर्चना करती हैं। जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देना इस पर्व की सबसे प्रमुख विशेषता है,जो मानव और प्रकृति के सामंजस्य का प्रतीक है।

जिले में छठ घाटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

एमसीबी जिले के सभी प्रमुख घाटों मनेंद्रगढ़, चिरमिरी,भरतपुर,सोनहत,खोगापानी आदि में हजारों श्रद्धालु अपने परिवार सहित उपस्थित रहे। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजीं, हाथों में पूजन सामग्री लिए भगवान सूर्य की आराधना में लीन दिखाई दीं। नगर पंचायतों ने घाटों की साफ-सफाई,प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की थी।

छठ पर्व संदेश भी देता है...

छठ पर्व यह संदेश देता है कि प्रकृति की उपासना,आत्मसंयम और सामाजिक एकता ही भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने जनता से अपील की कि वे इस पर्व की पवित्रता को बनाए रखते हुए सामाजिक सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें। इस दौरान रामा यादव,राजा पांडेय,पूर्व उपाध्यक्ष राजकुमार केसरवानी,हाफिज मेमन,सौरव मिश्रा,पिंटू भास्कर,मनोज साहू,भावेश जैन,अमर सिंह, संतोष चौबे सहित कई जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए

चिकित्सा सेवा में उत्कृष्ट योगदान हेतु हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. अविनाश तिवारी, डॉ. संजय पांडेय, डॉ. एस. पालीवाल हुए सम्मानित

-संवाददाता-

कोरबा,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के वरिष्ठ, लब्धख्याति,अनुभवी और ऊर्जावान चिकित्सकों ने ऊर्जानगरी कोरबा व चिकित्सा जगत को अपनी प्रतिभा से पुनः गौरवान्वित किया है। इस कड़ी में लब्धख्याति वरिष्ठ चिकित्सक एवं हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. संजय पांडेय,डॉ. शंकर पालीवाल और डॉ. अविनाश तिवारी को कोरबा क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं के उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित और पुरस्कृत किया गया है। उन्हें यह सम्मान विगत दिनों रायपुर में छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के चिकित्सक पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के करीब 25 चिकित्सक अपने-अपने शहरों में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किये गए। चिकित्सकों द्वारा दी जा रही उत्कृष्ट सेवाओं और समर्पित कार्य के लिए यह सम्मान उन्हें प्रदान किया गया। प्रदेश की राजधानी रायपुर में 25 एवं 26 अक्टूबर को क्रिटिकॉन 2025 का दो दिवसीय सम्मलेन आयोजित किया गया था। सम्मानित चिकित्सकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि क्रिटिकल केयर पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मलेन में कोरबा सहित प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से करीब 1200 फिजिशियन ने हिस्सा लिया। अपने-अपने शहरों में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर अमूल्य जीवन बचाने व मरीजों की धड़कनों को थामने की जिम्मेदारी निभाते आ रहे वरिष्ठ चिकित्सकों को उनके योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। चिकित्सा क्षेत्र, समाज और मानव सेवा में समर्पित होकर दशकों से यह महत्वपूर्ण दायित्व निभाते आ रहे कोरबा के वरिष्ठ लब्धख्याति चिकित्सक डॉ. संजय पांडेय, डॉ. शंकर पालीवाल एवं डॉ. अविनाश तिवारी को उक्त आयोजित सम्मलेन के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। इन चिकित्सकों की इस उपलब्धि से जिले में हर्ष एवं गर्व की लहर है।

फोटोयुक्त मतदाता सूची के मुद्रण हेतु निविदाएँ आमंत्रित,30 अक्टूबर तक जमा कर सकते है आवेदन

-संवाददाता-

एमसीबी,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्र 01 भरतपुर-सोनहत और 02 मनेन्द्रगढ़ में फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के मुद्रण एवं आपूर्ति हेतु इच्छुक मुद्रकों एवं फर्मों से मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की गई हैं। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2025 को अपराह्न 1 बजे तक निर्धारित की गई है। इसके पश्चात प्राप्त अथवा अपूर्ण निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त निविदाओं को उसी दिन अर्थात् 30 अक्टूबर 2025 को सायं 3 बजे गठित समिति द्वारा निविदाकर्ताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला जाएगा। निविदा प्रपत्र,शर्तें एवं विस्तृत जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से मात्र 100 रुपये के चालान (शीर्ष मांग संख्या 0070 अन्य प्रशासनिक सेवाएँ 02-निर्वाचन शुल्क एवं 800 अन्य रसीदें) के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

भाजपा अजा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष सनम जांगड़े का गर्मजोशी से स्वागत

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष सनम जागड़े का प्रथम कोरिया आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी, फूल मालाओं व गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। भाजपा अजा मोर्चा के द्वारा सांस्कृतिक भवन मे आयोजित कार्यक्रम मे शामिल हुए।

बैठक मे प्रमुख रूप से पूर्व संसदीय सचिव एवं अजा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष सनम जांगड़े, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष रविशंकर राजवाड़े, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे,जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा,जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, कपिल जायसवाल,जिला मंत्री शारदा गुप्ता,सुनीता कुर्रे,जिला पंचायत सदस्य शिवकुमारी सोनपाकर,संगीता सोनवानी, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, जनपद उपाध्यक्ष प्यारे साहू, अशोक सोनवानी,अनिल खटिक, दीपक चौथहा, दिलराज रवि उपस्थित रहें।

केन्द्र एवं राज्य सरकार के जनकल्याणकारी योजना सभी वर्ग के उत्थान के लिए : भाजपा अजा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष सनम जांगड़े ने संबोधित करते हुए कहा, केन्द्र एवं राज्य सरकार के जनकल्याणकारी योजना सभी वर्ग के उत्थान के लिए बनाया गया है, सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम सभी पार्टी कार्यकर्ताओं की अहम जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि, भाजपा मे ही एक चाय वाले के बेटा प्रधानमंत्री बन सकते है, एक आदिवासी बहन राष्ट्रपति बन सकती है, एक आदिवासी मुख्यमंत्री बन सकता है, यह केवल भाजपा मे ही संभव है। उन्होंने ने कहा भूपेश के राज मे गौठान घोटाला, शराब घोटाला, पीएससी घोटाला जैसे अनेक घोटाला हुआ, आज भी कांग्रेस के नेता व नेताओं के बेटे जेल के अंदर है, और कांग्रेस कभी भी अनुसूचित जाति के हित मे कभी कोई काम नहीं किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे भारत आज आत्मनिर्भर भारत बनने की ओर अग्रसर है, हम भारत मे निर्मित वस्तुओं को ही खरीदे व उपयोग कर, हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी व आत्मनिर्भर बनाने मे कार्यकर्ताओं को आह्वान किया।

कार्यकर्ता पार्टी के रीड के हड्डी : जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि, भारतीय जनता पार्टी के अजा मोर्चा के कार्यकर्ता पार्टी के रीड के हड्डी के रूप लगातार मेहनत कर रहें है जिसका लाभ पार्टी को हमेशा मिलता रहा है।

आने वाले समय मे पार्टी कार्यकर्ताओं के मेहनत से बूथ, मंडल एवं जिला को सशक्त करेंगे- पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने कहा कि, कार्यकर्ताओ के दम पर हम पिछले बैकुंठपुर विधानसभा चुनाव में हमने 25000 वोटों से विजयी रहें। आने वाले समय में पार्टी कार्यकर्ताओं के मेहनत से बूथ, मंडल एवं जिला को सशक्त करेंगे।

ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम मे मंडल अध्यक्ष रामलखन यादव, राकेश गुप्ता, अशोक सोनवानी, रीता यादव, पुष्पा राजवाड़े, कल्पना, धर्मजीत सोनवानी, मनोज सोनवानी, सतेन्द्र राजवाड़े,हरिओम साहू, रोशन राजवाड़े,नोखेलाल कुर्रे, जय चक्रधारी, गोपी कुर्रे, रमेश पोया, संतोष सारथी, विक्की सारथी, अवधेश कुर्रे, बाबूलाल, हलरे पात्रे, अरुण राज, सत्या रवि सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

जनपद पंचायत खड़गवां में निर्माण कार्यों के दस्तावेजों में चल रहा है गोलमाल का खेल

जनपद पंचायत खड़गवां में विभागीय लिपिक और अधिकारी के सह पर हो रही है फाइलों से दस्तावेजों की हेराफेरी?

क्या जिला प्रशासन इसकी जांच कर कार्रवाही करेगा या इन्हें भी जीवन दान प्राप्त हो जाएगा?

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

शिकायतकर्ता की शिकायत के बाद कंप्यूटर भवन के दस्तावेजों से की गई छेड़छाड़ ये होता है जनपद पंचायत खड़गवां के लिपिक और अधिकारियों के संरक्षण में जनपद पंचायत खड़गवां में निर्माण कार्यों की स्वीकृति में लगे दस्तावेजों में धड़ल्ले से होता है फर्जीवाड़ा स्वीकृति के समय लगे दस्तावेजों के साथ निर्माण कार्य स्वीकृति के बाद किए जाते हैं बदली जिसका प्रमाण है सिघत ग्राम पंचायत में हुए कंप्यूटर भवन निर्माण कार्य जिसमें शिकायत के बाद आनन-फानन में खसरा नंबर 28 जिस पर ग़लत तरीके से कंप्यूटर भवन का निर्माण कार्य करा दिया गया और शिकायत के बाद इस खसरा नंबर का समझौतानामा लिखा गया जबकि किसी के पटे की भूमि पर कोई भी शासकीय भवन का निर्माण कार्य कराया जाता है तो उसका स्टांप पेपर पर किसान के पटे की भूमि की लिखा पढी कि जाती है उसके बाद स्वीकृति ली जाती

है मगर जनपद पंचायत खड़गवां में सब कुछ विभागीय लिपिक और अधिकारी के सांठगांठ से चलता है। सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि शिकायतकर्ता की शिकायत के बाद कंप्यूटर भवन स्वीकृति के फाइल से खसरा नंबर 24 के दस्तावेज लगाकर स्वीकृत कराएं गये थे उन्हें फाइल से निकाल कर दूसरे खसरा नंबर 28 के दस्तावेज लगाए जा सकते हैं ये भी जानकारी मिल रही है कि इस विभाग के लिपिक के द्वारा पूर्व में भी इस तरह के कई निर्माण कार्यों की फाइलों के दस्तावेजों में हेरफेर किया गया है? इस जनपद पंचायत खड़गवां में पदस्थ लिपिक को एक ही स्थान पर पदस्थ हुए लगभग तीस साल से ज्यादा समय हो गये हैं और उन्हें कौन सी फाइल में क्या कैसे करना है इसकी जानकारी बड़ी अच्छी है। जनपद पंचायत खड़गवां में निर्माण कार्यों की फाइलों में और निर्माण कार्य की गुणवत्ता में भ्रष्टाचार बड़े जोरों पर चल रहा है क्या प्रशासन इसे संज्ञान लेकर इसकी जांच कर कार्यवाही करेगा?

छठ पर्व की आस्था में डूबा लखनपुर,अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर किया गया छठी मइया का पूजन

-संवाददाता-

लखनपुर,27 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

लोक आस्था का महापर्व छठ पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव से लखनपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया। आज शाम अस्त होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर श्रद्धालुओं ने छठी मइया से अपने परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। लखनपुर के देव तालाब सहित सतीघाट (ब्लाक मुख्यालय के पास) में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। व्रती महिलाएँ परंपरागत वेशभूषा में सजधज कर सूर्य देव को अर्घ्य देने पहुँचीं। तालाब और घाटों पर जय छठी मइया के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। सुबह से ही घाटों की साफ-सफाई की गई थी और नगर पंचायत द्वारा सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की गई थी। महिलाएँ एवं पुरुष व्रती नदी और तालाब के जल में खड़े होकर फल, फूल, ठेकुआ, नारियल, केले, गन्ने आदि से भगवान सूर्य की उपासना कीं। लखनपुर के देव तालाब में श्रद्धालुओं की भीड़ देर शाम तक बनी रही। स्थानीय युवाओं एवं सामाजिक संस्थाओं ने भी व्यवस्था में सक्रिय सहयोग किया। श्रद्धालुओं ने कहा कि छठ पर्व केवल धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि परिवार और समाज की एकता, स्वच्छता और संयम का प्रतीक है।

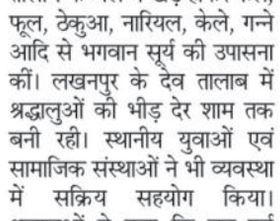

संपतलाल राधेश्याम फर्म संचालक कैलाश शर्मा का निधन

पटना। नगर पंचायत पटना निवासी संपतलाल राधेश्याम फर्म संचालक कैलाश शर्मा का लंबी बीमारी के बाद रविवार शाम इलाज के दौरान निधन हो गया, सोमवार दोपहर पटना मुक्तिधाम में उन्हें मुखाग्नि प्रदान की गई, स्वर्गीय कैलाश शर्मा के बड़े पुत्र ने उन्हें मुखाग्नि प्रदान की,नगर में शोक का माहौल रहा।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम घोषित,तेम्बा बावुमा करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर 2025। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ 14 नवंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम का ऐलान किया है। तेम्बा बावुमा के कप्तान के रूप में टीम में वापसी हुई है। वह हाल ही में पाकिस्तान दौरे पर हुई टेस्ट सीरीज में चोट के चलते उपलब्ध नहीं थे और उनकी गैरमौजूदगी में एडेन मार्करम ने टीम की कमान संभाली थी।

केशव महाराज करेंगे स्पिन विभाग की अगुआई

पाकिस्तान दौरे पर प्रोटियाज टीम ने केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरन मुथुसामी की स्पिन तिकड़ी की बदौलत रावलपिंडी में खेला गया दूसरा टेस्ट जीता था। इन तीनों को भारत के खिलाफ टेस्ट टीम में शामिल किया गया है, लेकिन प्रेनेलन सुब्रायन 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं बना पाए हैं। सुब्रायन के अलावा डेविड बेडिंघम भी भारत के खिलाफ सीरीज के लिए अपनी जगह नहीं बना सके हैं।

दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम

तेम्बा बावुमा (कप्तान),एडेन मार्करम, रयान रिकेलटन, काइल वेरिन, डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डी जोरजी, ट्रिस्टन स्टब्स, कॉर्बिन बॉश, वियान मुल्डर, मार्को येंसन, कगिसो रबाडा, केशव महाराज, सेनुरन मुथुसामी, और साइमन हार्मर।

इन खिलाड़ियों को भी मिला मौका : बावुमा की वापसी से बल्लेबाजी क्रम मजबूत हुआ है और अब इसमें एडेन मार्करम,टोनी डी जोरजी,डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हम्जा और रयान रिकेल्टन शामिल हैं। काइल वेरिन को विकेटकीपर नियुक्त किया गया है। टीम में तेज गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा के हाथों में है, जबकि कॉर्बिन बॉश, वियान मुल्डर और मार्को येंसन अन्य तेज गेंदबाजी के उपलब्ध मौजूद हैं।

ऐसी है दक्षिण अफ्रीका की टीम : सीरीज का पहला टेस्ट 14 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टेस्ट 22 नवंबर से गुवाहटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने कहा,हमने पाकिस्तान के खिलाफ 2 मैचों की सीरीज में खेलने वाली टीम के ज्यादातर खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। उन खिलाड़ियों ने असली जज्बा दिखाया और पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सीरीज बराबर करने के लिए कड़ी मेहनत की।

पैट कमिंस पहले एशेज टेस्ट से बाहर स्मिथ करेंगे ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस अगले महीने पर्थ में होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए फिट नहीं होंगे और उनकी जगह स्टीव स्मिथ कप्तान होंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने सोमवार को उक्त जानकारी दी। कमिंस जुलाई से ही पीठ के निचले हिस्से की समस्या के कारण बाहर हैं और 21 नवंबर से शुरू होने वाले इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में उनके खेलने पर पहले से ही संदेह था। सीए ने एक बयान में कहा कि कमिंस ने अब फिर से दौड़ना शुरू कर दिया है और जल्द ही गेंदबाजी करना भी शुरू कर देंगे,जिससे यह उम्मीद जगी है कि 32 साल का यह खिलाड़ी 4 दिसंबर से ब्रिस्बेन में होने वाले दूसरे डे-नाइट टेस्ट में हिस्सा लेने के लिए फिट हो सकता है। हालांकि सीरीज के लिए अभी टीम की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन पर्थ स्टेडियम में

जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क के साथ बॉलिंग अटैक में स्कॉट बोलैंड का खेलना लगभग तय है। ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजी डिपार्टमेंट में अच्छे गेंदबाज होने की वजह से बोलैंड को पिछले कुछ साल में टेस्ट लेवल पर ज्यादा मौके नहीं मिले हैं, लेकिन जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने ज्यादातर अच्छा ही परफॉर्म किया है। यह 36 साल का खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया की हार्ड पिचों पर खास तौर पर असरदार है और उसने अपने पिछले 14 टेस्ट मैचों में 16.53 की औसत से 62 विकेट लिए हैं। कमिंस 2017-18 सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट के बाद से एशेज मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम का लगातार हिस्सा रहे हैं और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को पहले एशेज जीतने और फिर उसे बनाए रखने में मदद की है।

तनवीर संघा भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम में शामिल

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। भारत के खिलाफ 29 अक्टूबर से शुरू होने वाली 5 टी-20 मैचों की घरेलू सीरीज के पहले मैच से एडम जम्पा ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह लेग स्पिनर तनवीर संघा को शामिल किया गया है। जम्पा ने निजी कारणों से सीरीज के पहले मैच से हटने का फैसला लिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को कहा कि संघा टीम से कैनबरा में जुड़ेंगे, जहां बुधवार को पहला टी-20 मुकाबला मेनुका ओवल में खेला जाएगा।

तनवीर संघा ने 2023 में आखिरी टी-20 मैच खेला था : 23 साल के तनवीर संघा ने आखिरी बार 2023 में टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला था। उस दौरान उन्होंने 7 मैचों में 10 विकेट लिए थे, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4 विकेट पर 31 रन का रहा था । यह मैच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन में हुआ था।

सांघा ने वनडे कप में 10 विकेट लिए : हाल के दिनों में भी संघा का शानदार फॉर्म में रहे हैं। उन्होंने वन-डे कप में न्यू साउथ वेल्स ब्लूज की ओर से खेलते हुए 10 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। उनका औसत सिर्फ 14.10 का रहा। इसके अलावा, उन्होंने हाल ही में भारत दौरे पर कानपुर में खेले गए तीन लिस्ट ए मैचों में 7 विकेट हासिल किए थे। दूसरी ओर, एडम जम्पा की गैरमौजूदगी निजी कारणों से है। उनकी पत्नी दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रही हैं, जिसकी वजह से जम्पा ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज का पहला मैच भी नहीं खेला था। इसी कारण से जम्पा की गैरहाजिरी में संघा को मौका दिया गया है।

स्कॉट बोलैंड को मिल सकता है मौका : कमिंस की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी आक्रमण में स्कॉट बोलैंड के खेलने की संभावना है। बोलैंड ने हाल ही में वेस्टइंडीज दौरे पर शानदार प्रदर्शन करते हुए हैट-ट्रिक ली थी। उनकी फॉर्म को देखते हुए उन्हें पहले टेस्ट में जगह मिलना लगभग तय माना जा रहा है।

श्रेयस अय्यर पसलियों में चोट के बाद आंतरिक रक्तस्राव होने से आईसीयू में भर्ती

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। भारतीय वनडे टीम के उप-कप्तान श्रेयस अय्यर को सिडनी के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वह अभी इंटेंसिव केयर यूनिट में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक,उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच के दौरान पसलियों में चोट लगने की वजह से इंटरनल ब्लीडिंग हो रही है। अय्यर ने तीसरे वनडे में शनिवार (25 अक्टूबर) को बैकवर्ड पॉइंट से पीछे की ओर दौड़ते हुए एलेक्स कैरी का शानदार कैच लिया था।

इस दौरान उनकी बाईं पसली में चोट लग गई। इसके बाद वह ड्रेसिंग रूम में लौटे और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। एक सूत्र ने बताया, श्रेयस पिछले कुछ दिनों से आईसीयू में हैं। रिपोर्ट आने के बाद इंटरनल ब्लीडिंग का पता चला और उन्हें तुरंत भर्ती करना पड़ा। रिकवरी के आधार पर उन्हें दो से सात दिनों तक ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा क्योंकि ब्लीडिंग से इंफेक्शन को फैलने से रोकना जरूरी था।

उन्हें पूरी तरह फिट होनेमें ज्यादा समय लगेगा : सूत्र ने आगे कहा, चोट के बाद टीम डॉक्टर और फिजियो ने कोई चांस नहीं लिया और उन्हें तुरंत हॉस्पिटल ले गए। अब हालात स्थिर हैं, लेकिन यह जानलेवा हो सकता था। वह एक मजबूत लड़का है और

तीसरे वनडे में चोटिल हुए थे...

सिडनी में तीसरे वनडे के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले बैटिंग कर रही थी। टीम ने 33.3 ओवर में 3 विकेट पर 184 रन भी बना लिए थे। इसी बीच,हर्षित राणा के ओवर की चौथी गेंद पर इनसाइड आउट शॉट खेलने की कोशिश में एलेक्स कैरी ने बॉल को मिस टाइम कर दिया। श्रेयस तब बैकवर्ड पॉइंट पर फील्डिंग कर रहे थे। उन्होंने फुर्ती दिखाई और पीछे की तरफ दौड़ लगाकर शानदार कैच लपक लिया। हालांकि,पीछे की तरफ दौड़कर गेंद को पकड़ने में उनका बैलेंस नहीं बना। वे बॉल पकड़ने के बाद दो-तीन पलटी खा गए। इसी बीच, उनकी बाईं पसली में चोट लग गई।

जल्द ही ठीक हो जाएगा। उन्होंने कहा, चूंकि अंदरूनी ब्लीडिंग हुई है,इसलिए उन्हें पूरी तरह फिट होने में ज्यादा समय लगेगा,और इस समय कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित टाइमलाइन बताना मुश्किल है।

अगले कुछ दिन श्रेयस के साथ सिडनी में ही रहेंगे

बीसीसीआई ने सोमवार को बताया,स्कैन में पता चला है कि उनकी स्प्लीन में चोट लगी है। उनका इलाज चल रहा है,उनकी हालत स्थिर है और वे ठीक हो रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम,सिडनी और भारत के स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से सलाह लेकर अय्यर की चोट पर बारीकी से नजर रख रही है। भारतीय टीम के डॉक्टर अगले कुछ दिन श्रेयस के साथ सिडनी में ही रहेंगे ताकि उनकी रोजाना की प्रोग्रेस का पता चल सके। रिपोर्ट के मुताबिक,उनके माता पिता का वीजा करवाया जा रहा है जिससे वे उनसे मिल सकें।

बीसीसीआई ने चोट पर अपडेट दिया था

बीसीसीआई ने शनिवार को मैच को बाद अय्यर की चोट के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि अय्यर को बाईं पसलियों में चोट लगी है। उन्हें आगे की जांच के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया है।

वनडे विश्व कप 2025 : सेमीफाइनल से पहले भारत को झटका,टूर्नामेंट से बाहर हुई प्रतिका रावल

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। वनडे विश्व कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम से होना है। 30 नवंबर को होने वाले इस अहम मुकाबले से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल,ऐसी खबर है कि भारतीय सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल बचे हुए सेमीफाइनल से बाहर हो गई हैं। वह बांग्लादेश के विरुद्ध पिछले मैच में चोटिल हो गई थी।

फील्डिंग करते हुए चोट लगा बैठी थी रावल : बांग्लादेश की पारी के दौरान रावल बॉउंड्री पर फील्डिंग करने के दौरान फिसलकर अजीब ढंग से गिर गई थी। वह उसके बाद फील्डिंग और फिर बल्लेबाजी के लिए नहीं आई थी। क्रिकबज के मुताबिक, रावल के टखने में गंभीर चोट लगी है। बता दें कि मैच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जा रहा था और लगातार हो रही बारिश के कारण आउटफील्ड भी गीला था। मैच आखिरकार बारिश की भेंट चढ़ गया था।

विश्व कप में शानदार रहा रावल का प्रदर्शन : रावल ने अपने पहली ही वनडे विश्व कप में कमाल का प्रदर्शन किया। भारतीय टीम से पारी की शुरुआत करते हुए उन्होंने मौजूदा संस्करण में 6 पारियों में 51.33 की औसत और 77.77 की स्ट्राइक रेट के साथ 308 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 1 शतक और 1 ही अर्धशतक भी लगाया। फिलहाल इस संस्करण में रावल से ज्यादा रन सिर्फ स्मृति मंधाना (365) ने बनाए हुए हैं।

हाल ही रावल ने हासिल की थी ये उपलब्धि : दाएं हाथ की बल्लेबाज रावल ने अपने युवा करियर में प्रभावित किया है। उन्होंने अपनी 23वीं वनडे पारी में 1,000 रन पूरे किए। वह सबसे कम पारियों में ये आंकड़ा (संयुक्त रूप से) छूने वाली महिला बल्लेबाज बनी थी। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया की लिंडसे रीलर (23 पारी) की बराबरी की थी। वह अब तक 24 मैचों में 50.45 की औसत और 82.84 की स्ट्राइक रेट से 1,110 रन बनाने में सफल रही हैं।

ऋचा घोष की फिटनेस पर भी होगी नजरें : भारत की विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष की फिटनेस पर भी सबकी नजरें रहने वाली हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में उंगली में चोट लगी थी और इसके बाद उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ मैच में आराम दिया गया था और उमा छेत्री ने डेब्यू किया।

रणजी ट्रॉफी 2025-26 : पृथ्वी शॉ ने टूर्नामेंट इतिहास का दूसरा सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे पृथ्वी शॉ का बल्ला रणजी ट्रॉफी में जमकर चल रहा है और उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ एलीट ग्रुप बी मुकाबले की दूसरी पारी में दोहरा शतक लगाया। महाराष्ट्र के लिए खेलते हुए पृथ्वी ने महज 141 गेंदों पर दोहरा शतक पूरा किया। यह रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप इतिहास का दूसरा सबसे तेज दोहरा शतक है। पृथ्वी ने इसके साथ ही राहुल सिंह का रिकॉर्ड तोड़ा जो उन्होंने 2023-24 में बनाया था। राहुल ने 143 गेंदों पर रणजी ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाया था, लेकिन पृथ्वी ने अब उन्हें पीछे छोड़ दिया है। पृथ्वी से आगे अब इस मामले में रवि शास्त्री हैं जिन्होंने 1984-85 सीजन में 123 गेंदों पर यह उपलब्धि अपने नाम की थी। शॉ रणजी ट्रॉफी के

मौजूदा सीजन से पहले मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र टीम में शामिल हुए थे और महाराष्ट्र के लिए यह उनका दूसरा ही मुकाबला है। इससे पहले पृथ्वी ने 72 गेंदों पर शतक पूरा किया था जो रणजी ट्रॉफी का छठा सबसे तेज सैकड़ा था। पृथ्वी लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में इस दमदार प्रदर्शन से उनका हौसला बढ़ा होगा। यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में किसी भारतीय द्वारा लगाया गया तीसरा सबसे तेज दोहरा शतक है। वह इस मामले में शास्त्री और तन्मय अग्रवाल से पीछे हैं। तन्मय ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 2024 में 119 गेंदों पर दोहरा शतक लगाया था। वहीं, शास्त्री ने 1985 में बड़ौदा के खिलाफ 123 गेंदों पर ऐसा किया था।

पीवी सिंधु इस साल अब कोई टूर्नामेंट नहीं खेलेंगी,लिखा...इंजरी हर प्लेयर की जर्नी का हिस्सा...पैर की चोट से रिकवरी कर रहीं हैं...

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट शटलर पीवी सिंधु ने इस साल के बचे सभी बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने यह फैसला पैर की चोट के चलते लिया। सोमवार को सिंधु ने एक्स पर लिखा, इंजरी हर प्लेयर की जर्नी का हिस्सा होती है। अपनी टीम और स्पोर्ट्स मेडिसिन स्पेशलिस्ट डॉ. पारदीवाला के साथ विचार करने के बाद मैंने यह फैसला किया कि इस साल के बाकी सभी बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंट से हटना सबसे सही रहेगा।

मेरी टीम मुझे हर दिन ताकत देती है : सिंधु पीवी सिंधु ने कहा, यूरोपियन टूर्नामेंट से पहले लगी चोट अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुई है। यह स्वीकार करना आसान नहीं होता, लेकिन चोटें हर खिलाड़ी की जर्नी का हिस्सा होती हैं, आपकी हिम्मत और धैर्य की परीक्षा लेती हैं। साथ ही आपको और मजबूत होकर लौटने की प्रेरणा भी देती हैं। रिकवरी और ट्रेनिंग की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। डॉ. वेन लोम्बार्ड की देखरेख में मैं लगातार मेहनत कर रही हूं। मेरे साथ एक ऐसी टीम है जो मुझे हर दिन ताकत देती है। उनका मुझ पर विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी जीत है।

यूरोप टूर शुरू होने से पहले चोट लगी : सिंधु को यूरोप टूर शुरू होने से पहले पैर में चोट लगी थी। हालांकि चोट में काफी सुधार हुआ है, लेकिन लंबे समय तक फिटनेस और प्रदर्शन बनाए रखने के लिए सावधानी बरतनी जरूरी है। इसी वजह से उनकी मेडिकल और परफॉर्मेंस टीम ने सुझाव दिया कि अभी प्रतियोगिता में लौटने के बजाय पूरी तरह से रिकवरी पर ध्यान देना ही सही रहेगा।

करुण नायर टेस्ट टीम से बाहर होने पर निराश,बोले...मैं इससे ज्यादा बेहतर का हकदार था,रणजी में जड़े 174 रन

नई दिल्ली,27 अक्टूबर 2025। कर्नाटक के बल्लेबाज करुण नायर ने टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर पर भड़ास निकाली है। नायर ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में आठ साल के बाद भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की थी, लेकिन उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।

इसी वजह से वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई दो मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्हें जगह नहीं मिली। रणजी ट्रॉफी 2025-26 के दूसरे राउंड के मैच में कर्नाटक से खेलते हुए नाबाद 174 रनों की पारी खेलने के बाद नायर ने कहा, मैं भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से निराश हूं और मैं इससे ज्यादा बेहतर का हकदार था।

मुझे और मौके मिलने चाहिए थे : करुण अपने 25वें फर्स्ट क्लास शतक के बाद उन्होंने कहा, पिछले दो सालों में मेरे प्रदर्शन को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझे

और बेहतर मौके मिलने चाहिए थे। मुझे एक सीरीज से ज्यादा मौके मिलने चाहिए थे। लोगों की अपनी राय हो सकती है, लेकिन निजी तौर पर मेरी राय है कि मैं इससे कहीं बेहतर का हकदार हूं।

अगरकर ने बाहर करने की वजह बताई थी : चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से नायर को बाहर करने की वजह बताई थी। उन्होंने कहा, हमें उनसे इंग्लैंड में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। चार टेस्ट में सिर्फ एक अर्धशतक पर्याप्त नहीं था।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में फेल रहे : नायर ने जून की शुरुआत में शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में चार मैच खेले। 33 साल के नायर ने सीरीज की आठ पारियों में सिर्फ 205 रन बनाए, जिसमें केवल एक अर्धशतक शामिल था। यह सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही।

चोट और फिर रणजी में वापसी : कुछ समय के लिए चोट की वजह से बाहर रहने के बाद नायर को दलीप ट्रॉफी और ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए की सीरीज में भी नहीं चुना गया।

लेकिन उन्होंने कर्नाटक के लिए रणजी ट्रॉफी में शानदार वापसी की। पहले राउंड में 73 और 8 रन बनाने के बाद नायर ने दूसरे राउंड में गोवा के खिलाफ नाबाद 174 रन बनाए। उनकी इस पारी की बदौलत कर्नाटक ने रविवार को 371 रन का स्कोर बनाया।

डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मइया की पूजा

रायपुर के महादेव घाट पर पुजारियों ने की महाआरती,बिलासपुर में अरपा घाट पर उमड़ी भीड़

रायपुर, 27 अक्टूबर 2025। देशभर में छठ का महापर्व मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के रायपुर,बिलासपुर,भिलाई,दुर्ग और अन्य शहरों के छठ घाटों पर व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। रायपुर के महादेव घाट पर दीप जलाकर छठी मैया की पूजा की गई। वाराणसी से आए पुजारियों ने खारुन मैया की भव्य आरती की। वहीं अंबिकापुर के पैलेस छठ घाट पर छठ व्रती सूर्य की आराधना कर रही हैं। साथ ही रायगढ़ में वित्तमंत्री ओपी चौधरी और महापौर जीवर्धन चौहान ने भी छठ घाट पहुंचकर पूजा अर्चना की। वहीं बिलासपुर में घाटों को लाइटिंग से सजाया गया है। अरपा नदी के छठघाट में भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने रूट प्लान तैयार किया है। बिलासपुर में केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने बिहार चुनाव को लेकर कहा कि भाजपा और एनडीए को छठी मैया का आशीर्वाद मिलेगा। मंत्री ने अरपा छठ घाट पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया और जीत की कामना की। बिलासपुर में केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने बिहार चुनाव को लेकर कहा कि भाजपा और एनडीए को छठी मैया का आशीर्वाद मिलेगा। मंत्री ने अरपा छठ घाट पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया और जीत की कामना की।

बिलासपुर में छठ घाट पर आस्था का सैलाब व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया...

बिलासपुर के पाटलीपुत्र संस्कृति विकास मंच छठ घाट के अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कुमार दास ने बताया कि व्रती महिलाओं ने विधि-विधान के साथ डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह पर्व आस्था,अनुशासन और आत्मसंयम का प्रतीक है,जिसमें महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना करती हैं। डॉ. दास ने विश्वास जताया कि छठी मैया व्रतियों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करेंगी। प्रदेश में खुशहाली का वातावरण बनाए रखेंगी। घाट पर भक्ति और श्रद्धा से ओत-प्रोत माहौल देखकर हर कोई इस अनोखी परंपरा की पवित्रता में डूबा नजर आया।

रायपुर के महादेव घाट पर छठ महापर्व का उत्सव

रायपुर के महादेव घाट पर छठ महापर्व का उत्सव देखने लायक होता है। डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हुए घाट पर भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। व्रती महिलाओं ने ठेकुआ, फल और प्रसाद से सजी बांस की टोकरियों में सूर्य देव की पूजा की। छठी मैया की विशेष पूजा के चलते घाट पर सुरक्षा और सफाई के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। इस वर्ष महादेव घाट की खास बात यह है कि वाराणसी से आए 11 पुरोहित संध्या आरती और पूजा अनुष्ठान कर रहे हैं, जिससे पूरे वातावरण में भक्ति और आध्यात्मिकता का अनूठा स्पर्श फैल रहा है।

भिलाई में छठ घाट पर सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचीं व्रती

भिलाई में छठ घाट पर बड़ी संख्या में महिलाएं सूर्य को अर्घ्य देने के लिए पहुंचीं। इस दौरान विधि विधान से पूजा अर्चना की। बीजेपी के पूर्व विधायक प्रेम प्रकाश पांडेय भी शामिल हुए।

शराब घोटाला....भूपेश के बेटे को राहत नहीं

ईडी स्पेशल कोर्ट ने चैतन्य बघेल की जमानत अर्जी खारिज की

रायपुर,27 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कोई राहत नहीं मिली है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की स्पेशल कोर्ट ने सोमवार 27 अक्टूबर को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। अब चैतन्य बघेल को रायपुर केंद्रीय जेल में ही रहना होगा। चैतन्य बघेल की ओर से यह उनकी पहली जमानत याचिका थी। इससे पहले उन्होंने हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी, लेकिन किसी भी स्तर पर राहत नहीं मिल सकी।

17 अक्टूबर को हाई कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को वैध बताया था, जिसके बाद यह याचिका विशेष अदालत में दायर की गई थी। चैतन्य बघेल मनी लॉन्ड्रिंग केस में 18 जुलाई 2025 से जेल में हैं।

24 अक्टूबर को कोर्ट ने सुरक्षित रखा था फैसला

24 अक्टूबर को हुई सुनवाई के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे अब सुनाया गया है। अदालत ने कहा कि चैतन्य बघेल की रिहाई से जांच प्रभावित हो सकती है, इसलिए उन्हें जमानत नहीं दी जा सकती।

चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले- ईडी

दरअसल, शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया। ईडी के मुताबिक चैतन्य बघेल ने ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया है। साथ ही सिंडिकेट के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है।

सीआरपीएफ जवान ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

दंतेवाड़ा,27 अक्टूबर 2025। जिले से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। यहां एक सीआरपीएफ जवान ने आत्महत्या कर ली है। जवान फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला है। जवान की आत्महत्या की खबर मिलते ही सीआरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। जवान के शव को फांसी के फंदे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं जवान ने आत्महत्या क्यों की है इस बात की भी जानकारी जुटाई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना गीदम थाना क्षेत्र की है। यहां 231 बटालियन जावंगा में तैनात जसवीर सिंह नामक सीआरपीएफ जवान ने आत्महत्या कर ली है। जवान का शव फांसी के फंदे से लटका मिला है। जवान की आत्महत्या की खबर मिलते ही सीआरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। जवान के शव को फांसी के फंदे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं जवान ने आत्महत्या क्यों की है इस बात की भी जानकारी जुटाई जा रही है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि, छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खात्मे को लेकर सुरक्षाबलों द्वारा लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। ऐसे में सीआरपीएफ जवान की आत्महत्या की खबर ने सबको झंकझोर कर रख दिया है। फ़िलहाल आत्महत्या का कारण अज्ञात है और अधिकारी जांच में जुटे हुए हैं।

रईसजादे की बेकाबू कार ने मचाया तांडव

3 की मौत,अनेक घायल,गुस्साई भीड़ ने आरोपी के घर पर किया हमला

बेमेतरा, 27 अक्टूबर 2025। शहर में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। बताया जा रहा है कि एक रईसजादे की तेज रफ्तार डिफेंडर कार ने अलग-अलग स्थानों पर पांच वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका उपचार बेमेतरा जिला अस्पताल में जारी है।

आक्रोशित भीड़ ने मचाया हंगामा

घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों और मृतकों/घायलों के परिजनों ने तुरंत आरोपी व्यापारी के घर का घेराव कर दिया और जमकर हंगामा मचाया। भीड़ ने उग्र होकर आरोपी के घर में खड़ी गाड़ी और घर के शीशे तोड़ दिए।

पुलिस ने हालात को किया काबू में

हादसे और हंगामे की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। आरोपी के घर के बाहर भारी भीड़ जमा रही और वे दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करते हुए आरोपी के घर में घुसकर कार्रवाई करनी पड़ी। इस दौरान भीड़ और पुलिस के बीच हल्की झड़प भी हुई, लेकिन आखिरकार पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण पा लिया।

भ्रष्टाचार के आरोप पर श्रम निरीक्षक निलंबित

बलौदाबाजार,27 अक्टूबर 2025। बलौदाबाजार में कार्यरत श्रम निरीक्षक रामचरन कौशिक को भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। श्रम निरीक्षक पर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अवैध उगाही का आरोप लगाया गया था। श्रम आयुक्त, छत्तीसगढ़ ने 24 अक्टूबर को एक जांच समिति गठित की थी। समिति की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में पाया गया कि श्रम निरीक्षक कौशिक द्वारा कार्यक्षेत्र में भ्रमण के दौरान कथित रूप से अवैध वसूली और अनियमितताएँ की गई हैं। इसी के आधार पर उन्हें छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम-9 के तहत निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान कौशिक को जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी तथा निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय श्रमायुक्त कार्यालय, नवा रायपुर,अटल नगर निर्धारित किया गया है।

भाटापारा सब्जी मंडी में भीषण आग : शॉर्ट सर्किट से हादसा,लाखों का सामान जलकर खाक

बलौदाबाजार,27 अक्टूबर 2025। बलौदाबाजार जिले के भाटापारा नगर पालिका की नई सब्जी मंडी में भीषण आग लग गई। सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे शॉर्ट सर्किट से लगी इस आग में लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। घटना भाटापारा थाना क्षेत्र की है। आग लगने से मंडी परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई थी। हालांकि फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंचने के बाद कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया। बताया जा रहा है 3 फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची थी, आग बुझाने में 2 घंटे का वक्त लग गया। करीब 50 लाख का नुकसान हुआ है। वहीं, घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

लाखों का नुकसान होने का अनुमान : आग की चपेट में 2 से 3 कार्यालयों का सामान, एयर कंडीशनर (एसी), शेड और शेड के नीचे रखे सैकड़ों सब्जी के कैरेट आ गए।

ये सभी जलकर खाक हो गए। लाखों के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। आग की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्यों का जायजा लिया। दमकल कर्मियों के साथ नगर पालिका के कर्मचारियों ने भी आग बुझाने में सहयोग किया।

सही कारणों की होगी जांच

आग लगने से सब्जी मंडी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। दुकानदार और स्थानीय लोग अपने सामान को बचाने का प्रयास करते दिखे। आग की लपटों और काले धुएं से पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी। हालांकि,इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है,लेकिन व्यापारियों को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है और आग लगने के सही कारणों की जांच की जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि आग बुझाने के लिए जो व्यवस्था हो सकती थी, वो की गई। नगर पालिका की फायर ब्रिगेड और अंबुजा की फायर ब्रिगेड गाड़ी बुलाई गई थी।

लोक सेवा आयोग की मनमानी पर हाईकोर्ट का हंटर,वेटिंग लिस्ट के पहले दावेदार को 8 सप्ताह में नौकरी देने का आदेश

बिलासपुर, 27 अक्टूबर 2025। लोक सेवा आयोगकी कार्यशैली पर फिर से सवाल उठा है। इस पर बिलासपुर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने खेल अधिकारी की नियुक्ति के मामले में हुई चूक को गंभीरता से लेते हुए,वेटिंग लिस्ट में पहले स्थान पर रहे योग्य अभ्यर्थी के नाम पर नियुक्ति पत्र जारी करने का आदेश दिया है। यह मामला सीजीपीएससी के अफसरों की घोर लापरवाही और मनमानी से जुड़ा है। उनकी चूक के कारण गरियाबंद के एक योग्य अभ्यर्थी को नौकरी से वंचित होना पड़ा, जबकि अधिकारियों ने एक मृतक अभ्यर्थी के नाम पर लापरवाहीपूर्वक नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया था। 6 मार्च 2019 को स्पोर्ट्स ऑफिसर के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था।

परिणाम और वेटिंग लिस्टः इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी होने के बाद सितंबर 2020 में जारी परिणाम में, गरियाबंद निवासी नीलकंठ कुमार साहू को ओबीसी वर्ग की वेटिंग लिस्ट में पहले स्थान पर रखा गया था. ओबीसी वर्ग से चयनित अमित वर्मा की जॉइनिंग से पहले ही मृत्यु हो गई, जिसके कारण यह पद रिक्त हो गया। नीलकंठ साहू ने वेटिंग लिस्ट की वैधता अवधि के भीतर ही पीएससी को पद रिक्त होने की जानकारी दी और नियुक्ति का दावा किया, लेकिन आयोग के जिम्मेदार अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

डॉक्टर के बेटे ने किया सुसाइड मानसिक रोगी बताया जा रहा

बिलासपुर,27 अक्टूबर 2025। डॉक्टर दंपती के जवान बेटे ने रविवार देर रात फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के समय माता-पिता घर पर नहीं थे। लौटने पर वो अपने बेटे का शव देखकर हैरान रह गए। बताया जा रहा है कि युवक मानसिक रोगी था। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। बृहस्पति बाजार स्थित चंद्रा पार्क निवासी डॉ. आशुतोष तिवारी और उनकी पत्नी डॉ. आरती पांडेय दोनों सिम्स में पदस्थ हैं। रविवार की शाम दोनों पति-पत्नी छठ पूजा की तैयारी के लिए खरीदारी करने घर से बाहर गए थे। इस दौरान घर उनका बेटा आयुष्मान तिवारी (19) घर पर था। आयुष्मान की मानसिक स्थिति कमजोर थी। डॉक्टर पति-पत्नी रात करीब 10.30 बजे वापस घर पहुंचे। इस दौरान उनके बेटे का शव कमरे में पड़ा मिला। पंखे पर रस्सी का आधा हिस्सा और गले में आधा हिस्सा बंधा हुआ था। आयुष्मान की मौत हो चुकी थी। परिजनों ने इस घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। जांच के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है।

छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति खंडित करने वाला आरोपी गिरफ्तार,नई प्रतिमा की गई स्थापित

रायपुर,27 अक्टूबर 2025। रविवार को वीआईपी चौक स्थित छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति खंडित किए जाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सारंगढ़ निवासी मनोज कुमार सतनामी के रूप में हुई है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी मानसिक रूप से विक्षिप्त है और उसका इलाज जारी है। पुलिस ने सारंगढ़ में आरोपी के परिजनों से संपर्क कर आवश्यक जानकारी जुटाई है।

सिविल लाइन सीएसपी रमाकांत साहू ने बताया कि आरोपी को राम मंदिर क्षेत्र के आसपास कई बार देखा गया था। पुलिस ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखी और सुराग मिलने पर उसे गिरफ्तार किया गया। अब तक मिली जानकारी के आधार पर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी।

वहीं, मूर्ति खंडित होने की घटना के बाद शहर में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई थी,जिसे पुलिस ने तुरंत नियंत्रित किया। रायपुर के वीआईपी चौक में छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति जिसे रविवार को असामाजिक तत्व ने खंडित कर दिया था, उसे आज पुनः स्थापित कर दिया गया है। मूर्ति खंडित होने की घटना के बाद पूरे शहर में रोष का माहौल बन गया था। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेनानी संगठन के सदस्यों ने इस घटना के विरोध में प्रदर्शन करते हुए दोषी को कड़ी सजा देने की मांग की थी।

रतनलाल डांगी यौन उत्पीड़न मामले में एक और खुलासा

ब्यूटीशियन बनकर महिला ने ली थी आईपीएस की पत्नी की आपत्तिजनक तस्वीरें,फिर शुरू हुआ ब्लैकमेलिंग का खेल

रायपुर,27 अक्टूबर 2025। यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे सीनियर आईपीएस रतन लाल डांगी के मामले में एक नया और बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी के मुताबिक़ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाले महिला ने रतन लाल डांगी की पत्नी के भी आपत्तिजनक फोटो ले लिए थे। आरोप लगाने वाली महिला ने खुद को ब्यूटीशियन बताकर डांगी की पत्नी से नजदीकी बनाई और फिर धोखे से उनकी पत्नी की तस्वीरें ली थी। आरोप लगाने वाली महिला रतन लाल डांगी के घर पर ब्यूटी सर्विस के नाम पर दाखिल हुई थी। उन्हीं फोटो को दिखाकर महिला ने ब्लैकमेल का खेल शुरू किया था। बताया जा रहा है कि, यह पूरा वाकया तब हुआ था जब रतन लाल डांगी सरगुजा में बतौर आईजी पदस्थ थे। इसी दौरान ने महिला ने डांगी की पत्नी से नजदीकी बढ़ाई थे और उनका भरोसा जीता था।

क्या है यौन शोषण से जुड़ा यह पूरा मामला : छत्तीसगढ़ में सेवारत 2003 बैच के सीनियर आईपीएस अफसर रतन लाल डांगी पर एक महिला ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगे है। यह आरोप एक सब इन्स्पेक्टर की पत्नी ने लगाया है। वही आईपीएस रतनलाल डांगी ने इसकी शिकायत डीजीपी से की है। आईपीएस रतनलाल डांगी का कहना हैं कि, यह प्रकरण ब्लैकमेल से जुड़ा हुआ है। खुद को पीड़ित बताने वाली महिला उन्हें लम्बे वक़्त से ब्लैकमेल कर रही थी। हालांकि इस मामले पर खुद रतन लाल डांगी ने ही प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को 14 बिंदुओं का पत्र लिखकर पूरे प्रकरण की जांच की मांग की थी।

रायपुर में सगे-भाइयों ने युवक पर चाकू से किया हमला,एक नाबालिग समेत 5 गिरफ्तार

रायपुर,27 अक्टूबर 2025। रायपुर में 3 महीने पहले मारपीट का बदला लेने के लिए नाबालिग समेत पांच आरोपियों ने युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इस मामले में तेलीबांधा पुलिस ने नाबालिग समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से 3 चाकू और घटना में इस्तेमाल चारपहिया वाहन जब्त किया गया है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित गोपाल निर्मलकर ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 26 अक्टूबर की शाम करीब 5 बजे वह कपूर होटल के पास अपनी स्कूटी पर बैठा था। तभी जय नेताम, उसका भाई ओमप्रकाश नेताम और उनके साथी सफेद रंग की कार में वहां पहुंचे और चाकू से उस पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना तेलीबांधा की संयुक्त टीम ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपियों को कुछ ही घंटों में पकड़ लिया।

छात्रा की शिकायत पर 50 करोड़ ठगने वाले गिरोह को पकड़ा

खैरागढ़,27 अक्टूबर 2025। खैरागढ़ पुलिस ने एक ऐसी सनसनीखेज कार्रवाई को अंजाम दिया है, जिसकी चर्चा अब पूरे प्रदेश में हो रही है। इंस्टाग्राम पर साड़ी बेचने के नाम पर हुई एक छोटी-सी ऑनलाइन ठगी के मामले ने पुलिस को 50 करोड़ रुपए के बड़े साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोह तक पहुंचा दिया। मामला खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय की छात्रा वसुधा सिन्हा की शिकायत से शुरू हुआ। छात्रा ने पुलिस को बताया था कि उसने इंस्टाग्राम पर एक ऑनलाइन पेज से साड़ी खरीदी और पेमेंट करने के बाद उसके साथ 64,000 की ठगी हो गई। पहली नज़र में यह एक छोटा मामला लग रहा था,लेकिन खैरागढ़ साइबर सेल ने जब इंस्टाग्राम पेज,पेमेंट ऐप और बैंक खातों की गहन जांच शुरू की,तो ठगी के एक बड़े जाल का पता चला। जांच में सामने आया कि इस फ्रॉड के पीछे मुंबई के डोम्बिवली और कल्याण में सक्रिय एक बड़ा गैंग काम कर रहा था। ये शातिर ठग इंस्टाग्राम पर साड़ी बेचने के फर्जी शॉपिंग पेज बनाकर देशभर के लोगों को निशाना बना रहे थे। चौंकाने वाली बात यह है कि ये लोग 100 बुक नाम का एक ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग ऐप भी चला रहे थे, जिसके जरिए ठगी के इस काले कारोबार को और बड़ा किया जा रहा था। साइबर सेल ने जब आरोपियों के बैंक खातों और मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया,तो सामने आया कि गिरोह ने ठगी के लिए 100 से अधिक फर्जी सिम कार्ड और बैंक खाते बना रखे थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)